RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

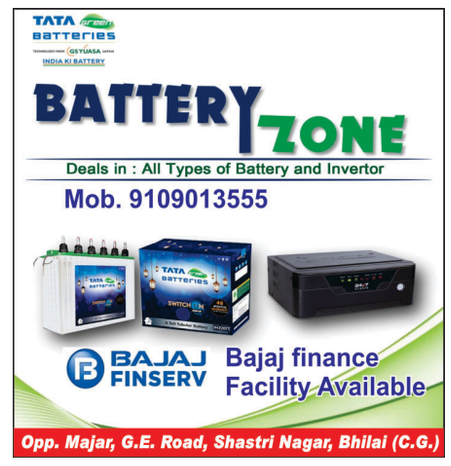

वर्ष- 14, अंक - 47 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 30 नवंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

अनोखी शादीः बैलगाड़ी में बारात लेकर दुल्हनिया ब्याहने पहुंचा दूल्हा, बारातियों ने पहना छत्तीसगढ़ी धोती कुर्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। इन दिनों युवाओं के बीच अनोखे तरीके से शादी का क्रेज बढ़ता जा रहा है। कुछ ऐसी ही अनोखी शादी देखने मिली छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में। जहां एक दूल्हा बैलगाड़ी में सवार होकर अपनी दुल्हनिया को ब्याहने के लिए पहुंचा। बाराती भी अनोखे अंदाज में नजर आए। सभी बारातियों ने छत्तीसगढ़ का पारंपरिक धोती-कुर्ता और लाल गमछा पहना था। इस दौरान

जिन लोगों ने भी इस अनोखी बारात को देखा वो हैरान रह गए। बारातियों ने इस अनोखी बारात में जमकर डांस किया है।

बैलगाड़ी में निकली बारात

रायपुर के लोधीपारा इलाके में रहने वाले अनुराग साहू की बारात सोमवार को महासमुंद आई थी। अनुराग ठेकेदारी का काम करते हैं। उनके पिता बेमेतरा के नवागढ़ में खेती किसानी का काम करते हैं। अनुराग की शादी महासमुंद की रहने वाली भाविका साहू से कुछ समय पहले ही तय हुई थी। इसके बाद 29 नवंबर को शादी थी। राजधानी रायपुर से अनुराग की बारात दोपहर 4 बजे के आस-पास महासमुंद के एक पैलेस में पहुंच गई थी। यहां लड़की वालों ने बारातियों को पहले स्वागत किया। फिर बारात जनमासा स्थल से जब निकली, तब देखने वाले भी हैरान रह गए। रोड में दूल्हा कार या घोड़े पर नहीं, बल्कि बैलगाड़ी में बैठा हुआ था। अगल-बगल बैंड और डीजे बज रहा था।

इसलिए पहना पारंपरिक पोशाक

आम तौर पर शादी में लोग शूट, कुर्ते पैजामे या जींस-शर्ट में नजर आते हैं। मगर इस बारात में कुछ लोग किसान बनकर ही पहुंचे थे। इन बारातियों ने सिर में पगड़ी, गले में गमछा और धोती पहन रखी था। मकसद था ये पूरे तरह किसान लगें। बारातियों को मानना था कि शादी में हमारी छत्तीसगढ़ी परंपरा दिखे और हम लोग खेती किसान से जुड़े हैं, वह भी दिखना चाहिए। कुछ लोग तो दूल्हे के साथ सेल्फी लेने ही पहुंच गए, जिन्हें नहीं भी बुलाया गया था वह भी दूल्हे के साथ सेल्फी लेते नजर आए।

खास खबर...

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में एक महिला समेत तीन लोगों को आजीवन कारावास 2018 में हुई थी वारदात

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में 16 वर्षीय लड़की के साथ 2018 में दुष्कर्म के मामले में एक विशेष अदालत ने सोमवार को दोषी ठहराए गए एक महिला और दो युवकों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

लोक अभियोजक ने बताया कि दोषियों ने नाबालिग को बहला फुसलाकर घर से ले गये और उसके खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ बारी- बारी दुष्कर्म किया। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने आरोपियों को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

सरकारी वकील ने कहा कि अदालत ने प्रत्येक धारा के लिए 500 रुपये का जुर्माना भी लगाया। अभियुक्तों को अंततः दोषी ठहराए जाने और सजा सुनाए जाने से पहले मामले के संबंध में अदालत में कुल 16 गवाहों का परीक्षण किया गया था।

दक्षिण कोरिया की हवाई सीमा में घुसे चीन और रूस के लड़ाकू विमान, बढ़ा तनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया, चीन और रूस के बीच तनाव बढ़ने के आसार हैं। खबर है कि चीन और रूस के लड़ाकू विमानों ने दक्षिण कोरिया की हवाई रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया है। दक्षिण कोरिया की योनहाप समाचार एजेंसी ने ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के हवाले से बताया कि दो चीनी और छह रूसी लड़ाकू विमानों ने बिना किसी पूर्व सूचना के दक्षिण कोरिया की हवाई सीमा में प्रवेश किया है।

सियोल के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि चीनी के एच-6 बॉम्बर सुबह लगभग 5 बजकर 50 मिनट पर दक्षिणी और उत्तरपूर्वी तटों से हवाई रक्षा क्षेत्र में घुसे और बाहर निकल गए। उन्होंने कहा, कुछ घंटे बाद ये विमान जापान सागर से हवाई रक्षा क्षेत्र में फिर से दाखिल हुए। इनमें टीयू-95 बॉम्बर और एसयू-35 लड़ाकू जेट सहित रूसी युद्धक विमान भी शामिल थे।

चुनावी मौसम में एटीएस का बड़ा एक्शन

500 करोड़ की ड्रग्स जब्त

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में विधानसभा चुनाव को लेकर जारी सियासी घमासान के बाद बड़ा एक्शन देखने को मिला है. गुजरात एटीएस यानी आतंकवाद निरोधी दस्ते ने ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है और उसने वडोदरा शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक निर्माण इकाई पर छापा मारकर लगभग 500 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स यानी प्रतिबंधित एमडी दवा जब्त की है। एटीएस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

एटीएस के अधिकारी के मुताबिक, मंगलवार रात वडोदरा के पास एक छोटे कारखाने एवं गोदाम पर छापेमारी के दौरान एटीएस ने पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी वैध रसायनों के निर्माण की आड़ में एमडी दवा तैयार कर रहे थे, जो नशीले पदार्थों की श्रेणी में आती हैर।

अधिकारी ने बताया कि पूरे गिरोह का भंडाफोड़ करने के लिए अभियान जारी है.

हालांकि, उन्होंने ज्यादा विवरण नहीं दिया। अधिकारियों ने इससे पहले बताया था कि एटीएस ने इस साल अगस्त में वडोदरा शहर के पास एक कारखाने से 200 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त किया था, जिसकी कीमत लगभग एक हजार करोड़ रुपये होने का अनुमान था।

गुजरात एटीएस का यह एक्शन ऐसे वक्त में आया है, जब 1 दिसंबर को राज्य में पहले चरण के लिए वोटिंग होनी है। गुजरात में 1 दिसंबर और 5 दिसंबर को दो चरणों में चुनाव हैं। गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे हिमाचल प्रदेश के साथ ही 8 दिसंबर को आएंगे। पिछली 27 सालों से गुजरात की सत्ता पर भाजपा का कब्जा है, मगर इस बार आम आदमी पार्टी की मजबूत एंट्री से मुकाबला त्रिकोणीय होने के आसार हैं।

आय से अधिक संपत्ति मामले में घिरे उद्धव ठाकरे, आठ दिसंबर को कोर्ट में सुनवाई

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की मुसीबत बढ़ती जा रही है। बॉम्बे हाईकोर्ट आय से अधिक संपत्ति मामले में उनके खिलाफ सुनवाई करने के लिए राजी हो गया है। आठ दिसंबर को इस मामले में सुनवाई होगी। याचिका में पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के अलावा उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे और आदित्य ठाकरे का भी नाम है। याचिकाकर्ता ने तीनों के खिलाफ सीबीआई और ईडी जांच की मांग की है।

भीषण हादसाः 40 यात्रियों से भरी बस तेज रफ्तार ट्रक से टकराई, मौके पर 6 की मौत, 15 से ज्यादा लोग घायल

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के बहराइच में बुधवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई वहीं 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार यहां रोडवेज बस और ट्रक की तड़के सुबह जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में बस में सवार 5 यात्रियों समेत 6 की मौके पर ही मौत हो गई। 15 यात्री घायल हैं, इनमें से 4 की हालत गंभीर है। मृतकों में ट्रक ड्राइवर भी है।

चालीस यात्री थे सवार

मिली जानकारी के अनुसरा बस जयपुर से लखनऊ, बहराइच होते हुए रुपईडिहा जा रही थी। फिलहाल मृतकों की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। डीएम और एसपी मौके पर पहुंच चुके हैं। हादसा जरवल थाना क्षेत्र के घाघरा घाट के करीब तड़के सुबह करीब 4 बजे हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस की एक साइड का पूरा हिस्सा ही उखड़ गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक ड्राइवर को झपकी आने से यह हादसा हुआ है। बस में 40 यात्री सवार थे।

सीएम ने जताया दुःख

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट किया है। सीएम ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। प्रशासन को घायलों के इलाज के लिए समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए हैं।

सुरक्षाबलों के कैंप पर नक्सलियों ने की फायरिंग, कोबरा कमांडो शहीद, कोर एरिया में कैंप खुलने से बौखलाए माओवादी

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में कोर एरिया में सुरक्षाबलों का नया कैंप खुलने से बौखलाए नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इस फायरिंग में गोली लगने से कोबरा 202 बटालियन का एक जवान शहीद हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र अंतर्गत डब्बाकोंटा कैम्प की है। जहां मंगलवार की शाम 4:30 बजे नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस गोलीबारी में कोबरा का एक जवान शहीद हो गया।

हाल में स्थापित हुआ है कैंप

आईजी ने बताया कि आसपास के क्षेत्र में रि-इंफोर्समेंट हेतु भेजे गए अतिरिक्त सुरक्षा बल द्वारा सर्चिंग की जा रही है। डब्बाकोंटा में सुरक्षा बल का हाल ही में कैंप स्थापित किया गया है। यह इलाका नक्सलियों के प्रभाव क्षेत्र में है। जहां नक्सलियों की मौजूदगी बनी रहती है, जिसको देखते हुए सुरक्षाबल के द्वारा कैंप स्थापित किया गया है।

कोर एरिया में कैम्प खुलने से बौखलाए नक्सली

डब्बाकोन्टा नक्सलियों का कोर इलाका है। इस इलाके में नक्सली अपनी सरकार यानी जनताना सरकार चलने का दावा करते हैं। अब जबकि इस इलाके तक पुलिस का दखल बढ़ा है तो नक्सली बौखला गए हैं और इस तरह से हमले कर फोर्स पर दबाव डालने का काम कर रहें। इस पर आईजी का कहना है कि हम नक्सलियों को इस इलाके से पीछे ढकेलने में कामयाब हुए हैं।

जवानों की जवाबी कार्रवाई

बस्तर आईजी पी. सुंदरराज ने बताया कि शाम 4.30 से 5 बजे के बीच डब्बाकोन्टा कैम्प और पेंटापाड़ जंगल के मध्य ऑपरेशन ड्यूटी में तैनात सुरक्षा बल के ऊपर नक्सलियों द्वारा फायरिंग की गई। सुरक्षाबलों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई की। इसके बाद नक्सली जंगल की आड़ लेकर भाग गए। फायरिंग में आऊटर कॉर्डन कट ऑफपार्टी में लगे कोबरा 202 वाहिनी के एक प्रधान आरक्षक सुलेमान घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए भेज्जी सीआरपीएफ फील्ड हॉस्पिटल लाया गया। फील्ड हॉस्पिटल में उपचार के दौरान केरल के रहने वाले प्रधान आरक्षक शहीद हो गए।

छत्तीसगढ़ में सेंट्रल जीएसटी की बड़ी कार्रवाई, करोड़ों का हेरफेर करने वाले दो व्यापारी गिरफ्तार

रायपुर (एसकेपी)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में दो कारोबारियों को केंद्रीय GST टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच के लिए टीम ने दोनों को 14 दिन की रिमांड पर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय माल एवं सेवाकर सीजीएसटी की टीम ने रायपुर से 114 करोड़ 70 लाख रुपए की इनपुट टैक्स क्रेडिट आईटीसी चोरी की कोशिश पकड़ी है। रायपुर में टोपिस्टो प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड बिना किसी माल , सेवा की लेन-देन के लिए केवल नकली चालान बनाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट-आईटीसी पाने में लगा हुआ है। फिलहाल सेंट्रल जीएसटी की इस कार्रवाई से व्यापारियों में हड़कंप मच गया है।

शाकाहारियों की थाली से हरियाली गायब क्यों?

श्रीकंचनपथ

शादियों का सीजन चल रहा है. अधिकांश पार्टियां अब वेजिटेरियन ही होती हैं. बदनाम केवल बंगाली और ओड़ीशा के लोग हैं जहां शादियों में भी नॉनवेज का बनना आम बात है. इधर शादियों का सीजन शुरू होते ही न्यौतों की बारिश भी होने लगी है. कोरोना काल की चुप्पी के बाद शादियों का माहौल कुछ ज्यादा ही मुखर है. एक-एक दिन में दो दो पार्टियां अटेंड करनी पड़ रही है. लिफाफे में पैसा डालना भी महंगा पड़ने लगा है. पुराने गिफ्ट टटोले जा रहे हैं. पैकिंग करने वालों के यहां गिफ्ट बेचने वालों से ज्यादा भीड़ है. जेब में लिफाफा खोंसे, बगल में रंगीन पार्सल दबाए लोग शादी पंडालों में पहुंच रहे हैं. शाकाहारी भोजन स्टालों से मगर हरियाली गायब है. शाकाहार का सबसे उम्दा हिस्सा हरी पत्तेदार सब्जियां होती हैं. पर इसे साफकरने और पकाने में जहां झंझट है वहीं इसे पसंद से खाने वाले भी बहुत कम हैं. लोग कुछ महंगा खाना चाहते हैं. इसलिए पार्टियों में हरी सब्जियों से ज्यादा लेवाल पनीर के मिलते हैं. पनीर का आप चाहे कुछ भी बना दो, लोग उसे चाव से लेते हैं और अंतिम टुकड़ा तक खा भी लेते हैं. हरी सब्जियों के नाम पर भिण्डी और करेला एक तवे पर बैठे सिंक रहे होते हैं. कुछ लोग यहां भी जाते हैं पर सिंका हुआ भटा और टमाटर लेने में ही ज्यादा रुचि दिखाते हैं. पंजाब दिल्ली साइड के लोगों की पार्टी में पालक भी दिख जाता है. शेष सभी जगह मेनू कॉमन होता है. एक पनीर की सब्जी एक छोले, एक रायता, एक दाल, रायता और जीरा फ्राई चावल या पुलाव. रोटी, नान और पूड़ी भी मेनकोर्स के काउंटरों पर बना रहता है. दरअसल, बात यहां शाकाहारी होने या नहीं होने की नहीं है. यहां बात नॉन वेज खाने या नहीं खाने की है. वैसे शाकाहारियों को साग-भाजी भी कुछ बहुत ज्यादा पसंद नहीं है. वे कुछ महंगा ढूंढते हैं. अब तक उनकी यह जरूरत पनीर और मशरूम पूरा कर रहे थे. बेबी कॉर्न और स्वीट कार्न भी अब इसमें शामिल हो गया है. अभी ठंड का मौसम चल रहा है. बाजार में हरी सब्जियों की बाढ़ आई हुई है. यही भारत की खूबसूरती है. यहां खाने के लिए इतना कुछ एक साथ उपलब्ध है जिसकी कल्पना भी किसी और देश में नहीं की जा सकती. घर पर लोग हरी सब्जियों का खूब इस्तेमाल करते हैं. इसमें वेजीटेरियन और नॉनवेजिटेरियन दोनों शामिल हैं. पर जैसे ही पार्टी में जाते हैं या बाहर खाना खाने जाते हैं, हरी सब्जियों से लोगों को एलर्जी हो जाती है. नॉन वेज वालों को तो फिर भी अपनी च्वाइस मालूम होती है. वह दो मिनट में अपना आर्डर दे देते हैं. पर शाकाहारी के साथ ऐसा नहीं है. वह काफी देर तक मेनू कार्ड को उलट पलट कर देखता है और फिर ढेर सारा आर्डर दे देता है. फिर बड़ा सा बिल आता है और वह खुद को ठगा हुआ सा महसूस करता है.

संपादकीय

टकराव से परहेज

उच्च न्यायालयों में जजों की नियुक्ति संबंधी कॉलेजियम की सिफारिश को केंद्र द्वारा लौटाए जाने और कुछ नामों पर फिर से गौर करने के अनुरोध की जो खबरें मिल रही हैं, उन्हें न्यायपालिका और कार्यपालिका में किसी टकराव के रूप में भले अभी न देखा जाए, मगर यह स्थिति सुखद एहसास नहीं कराती। केंद्रीय कानून मंत्री की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट की प्रतिक्रिया को गंभीरता से लेना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि अमूमन हम मीडिया रिपोर्टों को दरगुजर कर देते हैं, मगर टिप्पणी उच्च पद पर बैठे व्यक्ति की ओर से आई है, ऐसा नहीं होना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र के साढ़े सात दशक के सुखद सफर की कामयाबी का राज यही है कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका ने अपने-अपने दायरे का हमेशा सम्मान किया और जब कभी आमने-सामने की नौबत भी आई, तब इन तीनों अंगों के नेतृत्व ने गरिमामय ढंग से समाधान निकाल लिया। शीर्ष अदालत की यह चिंता अपनी जगह जायज है कि जजों की नियुक्ति प्रक्रिया को बहुत लंबे समय तक लटकाया नहीं जाना चाहिए। तब तो और, जब देश के उच्च न्यायालयों में 59.5 लाख मुकदमे लंबित हैं और सुप्रीम कोर्ट को 71,000 मुकदमों को निपटाना है। ऐसे में, जजों की नियुक्ति में कोई भी देरी नागरिक हितों और कानून के राज की मूल अवधारणा के विरुद्ध है। लेकिन यह तस्वीर का एक पहलू है। दूसरा पहलू यह है कि जजों की नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर दशकों से बात होती रही है और 1993 तक प्रधान न्यायाधीश की अनुशंसा पर सरकार ही जजों की नियुक्ति किया करती थी। इस व्यवस्था में सियासी हस्तक्षेप की आशंका को खत्म करने के लिए कॉलेजियम सिस्टम की शुरुआत की गई थी, जिसमें पांच वरिष्ठ जजों की चयन समिति यह काम करती है। अब पारदर्शिता के सवाल इस सिस्टम पर भी उठने लगे हैं। जाहिर है, पारदर्शिता इंसाफ की आधारभूत विशेषता है। अच्छा होता कि भारतीय न्यायपालिका की साख को और मजबूत बनाने के लिए एक सर्वमान्य समाधान पर पहुंचा जाता। दुर्योग से ऐसा नहीं हो सका है। कॉलेजियम सिस्टम की जगह सरकार एक 'राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग' गठित करना चाहती है और इससे संबंधित एक विधेयक 2014 में उसने संसद से पारित भी कराया था, मगर अक्तूबर 2015 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ ने 41 से इस कानून को असांविधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। इसे न्यायिक स्वायत्तता पर हमले के रूप में देखा गया था। इसमें तो कोई दोराय नहीं हो सकती कि न्यायपालिका को हर तरह के दबाव से मुक्त होना ही चाहिए, लेकिन सवाल यह है कि क्या इसके लिए उसमें होने वाली नियुक्तियां भी संदेहों से परे नहीं होनी चाहिए? जिन 11 नामों को पुनर्विचार के लिए भेजा गया है, उम्मीद है, सरकार की आपत्तियों का तार्किक निदान ढूंढ़ा जाएगा। मगर सवाल यह है कि यदि कॉलेजियम ने दोबारा उन्हीं नामों की अनुशंसा कर दी, तब सरकार क्या करेगी? ऐसा पहले भी देखा गया है कि कॉलेजियम ने दोबारा उन्हीं नामों को भेजा और सरकार को देर-सबेर उन पर अपनी मुहर लगानी पड़ी। ऐसे प्रकरणों से एक-दूसरे के प्रति विश्वास कतई नहीं बढ़ता। इसलिए कार्यपालिका और न्यायपालिका, दोनों को ऐसी स्थिति पैदा नहीं होने देनी चाहिए, जिसमें टकराव की कोई गुंजाइश हो। आखिरकार, दोनों का मूल लक्ष्य देश के नागरिकों को इंसाफ देना है!

> कॉलेजियम सिस्टम की जगह सरकार एक 'राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग' गठित करना चाहती है और इससे संबंधित एक विधेयक 2014 में उसने संसद से पारित भी कराया था, मगर अक्तूबर 2015 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ ने 41 से इस कानून को असांविधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। इसे न्यायिक स्वायत्तता पर हमले के रूप में देखा गया था। इसमें तो कोई दोराय नहीं हो सकती कि न्यायपालिका को हर तरह के दबाव से मुक्त होना ही चाहिए, लेकिन सवाल यह है कि क्या इसके लिए उसमें होने वाली नियुक्तियां भी संदेहों से परे नहीं होनी चाहिए?

> गुजरात में कोई बिजली-पानी मुफ्त देगा, तो कोई लाखों नौकरियां देने का वायदा कर रहा है। रेवड़ियां बांटने की होड़ मची है, जिसे सब लोक-कल्याणकारी कार्यक्रम बता रहे हैं।

चुनावी मौसम में फिर 'रेवड़ियों' की बहार

विजय विद्रोही, वरिष्ठ पत्रकार

घोषणाएं फिर चर्चा में हैं। गुजरात में सभी प्रमुख राजनीतिक दल- भाजपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी के घोषणापत्र जारी हो चुके हैं। सबसे पहले आप का घोषणापत्र आया, जिसे 'सात गारंटी' नाम दिया गया। उसके बाद कांग्रेस का घोषणापत्र आया, जिसमें 'सात वचन' दिए गए। तब आप ने कहा कि कांग्रेस ने 'चीटिंग' कर ली, हमारी गारंटियां चुरा ली हैं। अब भाजपा का घोषणापत्र आया है, जिसे 'संकल्प पत्र' नाम दिया गया है। आप और कांग्रेस, दोनों ने अब भाजपा पर 'चीटिंग' करने का आरोप लगाया है। कोई बिजली-पानी मुफ्त दे रहा है, कोई दस से बीस लाख नौकरियां देने का वायदा कर रहा है, कोई स्कूटी बांटने का भरोसा दिला रहा है, तो कोई पुरानी पेंशन योजना लागू करने की बात कर रहा है। कुल मिलाकर रेवड़ियां बांटने की होड़ मची है, जिसे हर कोई लोक-कल्याणकारी कार्यक्रम बता रहा है। कुछ कह रहे हैं कि मामला रेवड़ियों से उठकर अब जलेबी-बर्फी पर आ गया है। इसके साथ ही 'रेवड़ी कल्चर' पर फिर बहस शुरू हो गई है।

चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को प्रस्ताव दिया था कि उनको चुनावी वायदों को पूरा करने पर होने वाले खर्च के बारे में भी बताना चाहिए और यह रकम कैसे जुटाई जाएगी, इसका भी घोषणापत्र में जिक्र करना चाहिए। भाजपा और अकाली दल को छोड़कर किसी अन्य दल ने चुनाव आयोग के प्रस्ताव पर अपनी सहमति नहीं दी। भाजपा ने भी यह कहकर पेच फंसा दिया कि रेवड़ी और कल्याणकारी योजना में फर्क होता है, जिसे आयोग को समझना चाहिए। वैसे गुजरात चुनाव के लिए अपने-अपने घोषणापत्र जारी करने वाले किसी भी राजनीतिक दल ने वायदों के अर्थशास्त्र को सामने नहीं रखा है। भाजपा चाहती, तो अपने संकल्प पत्र के साथ खर्च और पैसे के स्रोत के बारे में कागज नत्थी कर सकती थी, इससे एक अच्छी पहल होती और दूसरे दलों की घेराबंदी भी करने का मौका उसे मिलता, लेकिन ऐसा हो न सका।

वैसे रेवड़ियों का मामला सुप्रीम कोर्ट सुन रहा है। उसने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार से एक विशेषज्ञों की समिति बनाने को कहा है, जिसमें वित्त आयोग, नीति आयोग, रिजर्व बैंक, विधि आयोग और सियासी दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हो और उनके विचारों-सुझावों को आधार बनाकर आगे कुछ किया जा सके। तीन चीजें साफ हैं, केंद्र और राज्य सरकारें रेवड़ियां बांटने में लगी हैं। दो, मौजूदा कानून वित्त आयोग, नीति आयोग, रिजर्व बैंक आदि को इजाजत नहीं देते कि वे रेवड़ियों पर कोई फैसला ले सकें।

तीन, केंद्र सरकार भी समझती है कि अगर उसने कुछ थोपने की कोशिश की, तो विपक्षी दलों की राज्य सरकारों के नेता माहौल बनाना शुरू कर देंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य विशेष की जनता की भलाई नहीं चाहते हैं। आखिर भारतीय रिजर्व बैंक का काम महंगाई को रोकना है, रेवड़ियों पर रोक लगाना नहीं। वित्त आयोग केंद्र और राज्य सरकारों के बीच आर्थिक संसाधनों के बंटवारे का काम करता है। अगर वह चुनावी रेवड़ियों पर नजर रखने लगेगा, तो इसे संघीय ढांचे पर प्रहार बताया जाएगा। नीति आयोग का काम योजनाएं बनाने का है। उसका भी रेवड़ियों से लेना-देना नहीं है, यानी बड़ा सवाल यही है कि आखिर बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधेगा?

सबसे बड़ी रेवड़ी मुफ्त बिजली है। भारत सरकार के अनुसार, 31 मई, 2022 तक राज्य सरकारों पर बिजली कंपनियों का एक लाख करोड़ रुपये बकाया था। इसके अलावा राज्य सरकारों को बिजली वितरण कंपनियों को करीब 63 हजार करोड़ रुपये चुकाने थे। राज्य सरकारों ने तो किसानों और आम जनता को सब्सिडी दे दी, लेकिन इसका 76 हजार करोड़ रुपये बिजली कंपनियों को नहीं चुकाया। कुछ राज्यों के पास तो विकास योजनाओं के लिए ही सीमित पैसा बचा है। कुल आय का अस्सी फीसदी से ज्यादा रकम पेंशन, वेतन-भत्तों और लिए कर्ज पर ब्याज चुकाने में निकल जाती है। इसके बावजूद कुछ जानकारों का कहना है कि चुनावी रेवड़ी नेताओं और मतदाताओं के बीच का मामला है। सुप्रीम कोर्ट को इसमें दखल नहीं देना चाहिए। कुछ सब्सिडी जरूरी होती हैं, कुछ समय विशेष के लिए जरूरी होती हैं, तो कुछ विशुद्ध रिश्वत होती हैं। जन-प्रतिनिधि नीतियां बनाते हैं, उसके हिसाब से जनता के बीच जाते हैं और वायदे करते हैं। अब इन वायदों से अगर आयकर देने वाले वोटर प्रभावित होते हैं, तो वे उस सियासी दल के खिलाफवोट देकर अपना गुस्सा प्रकट कर सकते हैं। विधायक और सांसद सदनों में इस पर बहस कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के पास बहुत जरूरी काम करने को बचे हैं। निचली अदालतों में तीन साल से चालीस फीसदी मामले और उच्च अदालतों में साठ फीसदी मामले लंबित पड़े हैं। इन मामलों के निपटारे पर सुप्रीम कोर्ट को ध्यान देना चाहिए। ऐसा कुछ जानकारों का मानना है।

हकीकत तो यही है कि राज्यों की माली हालत अच्छी नहीं है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, 2019 से 2021 के बीच आंध्र प्रदेश सरकार ने करीब 24 हजार करोड़ रुपये, उत्तर प्रदेश सरकार ने साढ़े 17 हजार करोड़ रुपये, पंजाब सरकार ने 2,900 करोड़ रुपये और मध्य प्रदेश सरकार ने 2,700 करोड़ रुपये का कर्ज लिया। इसके लिए किसी सरकार ने सरकारी भवनों को रेहन पर रखा, तो किसी ने सचिवालय को, तो किसी ने अदालत परिसर को। स्थापित परंपरा के अनुसार, कोई भी राज्य सरकार अपने सकल घरेलू उत्पाद का 3.5 फीसद ही कर्ज बाजार से ले सकती है। इससे बचने के लिए राज्य सरकारें कर्ज तो लेती हैं, लेकिन बजट में उसे दिखाती नहीं हैं, इसलिए लोगों को राज्य के कर्ज का साफ तौर पर पता नहीं चलता है। इस तरह का कर्ज तेलंगाना सरकार ने 56 हजार करोड़ रुपये का लिया। आंध्र प्रदेश सरकार ने 28 हजार करोड़ रुपये, उत्तर प्रदेश सरकार ने 25 हजार करोड़ रुपये, केरल और कर्नाटक सरकार ने दस-दस हजार करोड़ रुपये का कर्ज ले रखा है।

जाहिर है, बहुत-सी राज्य सरकारें कर्ज के जाल में फंसती जा रही हैं और दिन-ब-दिन हालात भयावह होते जा रहे हैं। चुनावी रेवड़ी आम लोगों को भी पसंद आती है, लेकिन उन्हें यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी नेता या दल अपनी जेब से नहीं, सरकारी खजाने से ही रेवड़ियां बांटेंगे और एक-एक रेवड़ी की कीमत अंतत आम लोगों को ही प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से चुकानी पड़ेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत डेयरी क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार

श्री पुरशोतम रुपाला, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

देश ने 26 नवंबर को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया। यह अवसर महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दिवंगत डॉ. वर्गीज कुरियन की 101वीं जयंती को रेखांकित करता है, जिन्हें भारत की 'श्वेत क्रांति' का सूत्रपात करने का श्रेय दिया जाता है। भारत के डेयरी क्षेत्र में विकास और उन्नति कई मायनों में, वैश्विक मानचित्र पर देश के सम्मान और प्रभाव के रेखा-चित्र का प्रतीक रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, देश के दूध उत्पादन में 44 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गयी है और वर्ष 2020-2021 में, हमने 210 एमटी दूध का उत्पादन किया, जो दुनिया के कुल दूध उत्पादन का 23 प्रतिशत है। भारत की प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 2020-21 में 427 ग्राम प्रति दिन रही, जबकि इसी अवधि के दौरान विश्व औसत 394 ग्राम प्रति दिन था।

भारत में डेयरी क्षेत्र बड़े पैमाने पर सहकारी संरचना के तहत संगठित है और सहकारी समितियों ने डेयरी किसानों के मोल-भाव की ताकत बढ़ाने और अपने-अपने क्षेत्रों में दूध खरीद तथा दूध बिक्री की कीमत को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चावल और गेहूं जैसी फसलों के परिदृश्य के विपरीत, सरकार डेयरी उत्पादों की कीमतों को निर्धारित नहीं करती है और दूध की खरीद में शामिल नहीं होती है। इससे डेयरी सहकारी समितियों की स्वायत्तता को बढ़ावा मिला है और वे बाजार उन्मुख होने के लिए प्रोत्साहित हुई हैं। वास्तव में, देश की कुछ प्रमुख डेयरी सहकारी समितियों ने प्रदर्शन और लाभ, दोनों में निजी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया है। भारत की सबसे बड़ी डेयरी कंपनी अमूल, देश में सहकारी प्रारूप की शक्ति और सफलता का एक उत्कृष्ट प्रमाण है।

अब जब हम वैश्विक महामारी से उबर रहे हैं, तो लॉकडाउन अवधि के दौरान और उसके बाद डेयरी किसानों की सहायता के लिए, सरकार और डेयरी सहकारी समितियों द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डालना उचित होगा। महामारी के दौरान डेयरी सहकारी समितियों द्वारा दूध की खरीद में वृद्धि जारी रही, क्योंकि इसने किसानों के अतिरिक्त दूध की खरीद की, जो अन्यथा निजी और असंगठित क्षेत्र के व्यवसायियों को बेचा जाता था। 2020-21 के दौरान डेयरी सहकारी समितियों द्वारा दूध की खरीद में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सहायता प्रदान करने के लिए, भारत सरकार ने मौजूदा केंद्रीय क्षेत्र की योजना- डेयरी कार्यों से जुड़े डेयरी सहकारी समिति और किसान उत्पादक संगठन (एसडीसीएफपीओ) योजना के तहत कार्यशील पूंजी ऋण पर ब्याज में छूट घटक लॉन्च किया। इस तरह के उपायों से हमारे डेयरी उद्योग को पिछले दो वर्षों में सक्षम बने रहने में मदद मिली है।

प्रौद्योगिकी की बढ़ती क्षमता का लाभ उठाने के क्रम में, पशुधन प्रबंधन को आसान बनाने और इसकी दक्षता बढ़ाने के लिए ई-गोपाला नाम का एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया गया। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग पशु आधार, पशु पोषण, संजातीय-पशु चिकित्सा दवाएं (ईवीएम), पशु प्रजनन संबंधी सेवाओं और सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, ई-गोपाला ऐप डेयरी पशुओं, गोजातीय वीर्य, भ्रूण आदि की खरीद और बिक्री के लिए भी एक मंच प्रदान करता है। इस कार्य के पूरक के रूप में, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा डेयरी किसानों की सहायता के लिए 'पशु मित्र' नामक एक हेल्पलाइन स्थापित की गई है, जो किसानों को पशुओं के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी प्रश्नों का विशेषज्ञों द्वारा सीधे जवाब प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करेगा।

यह देखते हुए कि वर्ष 2025 तक भारत का दूध उत्पादन 270 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) तक पहुंच जाने की उम्मीद है, व्यापारिक निगमों को प्रसंस्करण से जुड़ी सुविधाओं में निवेश करने की जरूरत होगी और यह डेयरी क्षेत्र के भीतर 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की क्षमता प्रदान करता है। डेयरी क्षेत्र में मोटे तौर पर बुनियादी ढांचे में पैमाने की दृष्टि से 120-130 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) की कमी है। यह कमी अगले 9-12 वर्षों में निवेश पर 17-20 प्रतिशत के अपेक्षित लाभ के साथ लगभग 2.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की संभावनाएं खोलती है। निर्यात बाजार में हमारी बढ़ती उपस्थिति डेयरी क्षेत्र में निवेश बढ़ाने का एक और प्रेरक है। उदाहरण के लिए, एचएस कोड 0406 के तहत भारत का पनीर निर्यात 2015-2020 की अवधि के दौरान 16 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा है। जिन प्रमुख देशों को पनीर का निर्यात किया गया उनमें संयुक्त अरब अमीरात, भूटान और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल थे। वर्तमान में दुनिया भर में 75 से अधिक ऐसे देश हैं जहां दूध की कमी है। इनमें से अधिकांश देश एशिया, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका के हैं। यह भारत के लिए नए बाजारों में पैठ बनाने का एक बढ़िया अवसर प्रदान करता है। इसके लिए, राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन जैसी हालिया पहल पता लगाने की क्षमता (ट्रेसबिलिटी) संबंधी मानकों को बेहतर करने की दिशा में एक लंबा सफर तय करेगी और भारतीय कंपनियों को आयात करने वाले देशों द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में सक्षम बनाएगी।

डेयरी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने डेयरी निवेश त्वरक की स्थापना की है, जिसके तहत गेट्स फाउंडेशन और इन्वेस्ट इंडिया जैसी संस्थाएं नि:स्वार्थ सेवाएं प्रदान करने के लिए सहयोग करेंगी। इसमें समस्या समाधान, निवेश सुविधा, निर्यात रणनीति में सहायता, बाजार अनुसंधान, स्थान मूल्यांकन आदि जैसे पहलू शामिल होंगे। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि डेयरी क्षेत्र ने फसलें खराब हो जाने की स्थिति में पारंपरिक किसानों को आय का एक विश्वसनीय स्रोत प्रदान किया है। वर्तमान सरकार के प्रयास डेयरी उद्योग को असंगठित से संगठित क्षेत्र में बदलने पर केंद्रित हैं, जिसका अंतिम लक्ष्य किसानों की आय में वृद्धि करना और मूल्य श्रृंखला में रोजगार का सृजन करना है। पशुपालन अवसंरचना विकास कोष, राष्ट्रीय गोकुल मिशन, पशुपालन ग्रैंड स्टार्ट-अप चैलेंज, और पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड सुविधाओं के विस्तार जैसी हालिया योजनाओं से हमारे डेयरी क्षेत्र में बेहतर मानकों और नवाचारों की शुरुआत होगी। इस प्रकार, डॉ. कुरियन की 101वीं जयंती के अवसर पर हमें यह विश्वास है कि भारत आने वाले समय में डेयरी उत्पादों के एक प्रमुख निर्यातक के रूप में उभरने के लिए तैयार है।

सरदार पटेल की घोषणा

''यदि पहिला ही तरीका, जिसके परिणामस्वरूप देश का विभाजन हुआ, अपनाने की मांग अब भी की जाती है, तो वैसा करने वालों के लिए पाकिस्तान में ही स्थान है, यहां नहीं। यहां हम एक राष्ट्र की स्थापना कर रहे हैं। जो लोग पुन विभाजन करने और एकता भंग करने की बात सोचते हैं, उनके लिए यहां कोई स्थान नहीं है। यदि अल्पसंख्यक जातियों के लिए स्थान सुरक्षित रखने से आपका ऐसा ही अर्थ है, तो मैं उसके लिए स्थान सुरक्षित रखने विषयक धारा को वापस लेने के लिए तैयार हूं।'' यह घोषणा सरदार पटेल ने आज विधान परिषद में की।

विधान परिषद ने आज धारा-सभाओं के अरक्षित स्थानों के लिए अल्पसंख्यकों के खड़े होने के अधिकार तथा नौकरियों में किसी जाति को कोई रियायत न देने विषयक धारा स्वीकार की। मुस्लिम लीगी सदस्य इब्राहीम ने यह संशोधन प्रस्तुत किया कि किसी सुरक्षित स्थान के लिए किसी उम्मीदवार को निर्वाचित घोषित करने से पहिले उसके लिए यह आवश्यक होगा कि वह अपनी जाति के 33 प्रतिशत मत प्राप्त करे। परन्तु यह संशोधन अस्वीकृत किया गया।

परिगणित जाति के प्रतिनिधि नागप्पा ने भी इसी प्रकार की एक मांग की थी। उसका उत्तर देते हुए सरदार पटेल ने बताया कि ''परिगणित जाति'' शब्द को ही हटा दिया जाना चाहिए। यदि परिगणित जाति के लोग ऐसा निम्न दृष्टिकोण रखेंगे, तो अपनी जाति की सेवा नहीं कर सकेंगे। उन्हें यह महसूस करना चाहिए कि वे हिन्दुओं के साथ हैं, और अब परिगणित जाति नहीं रही। करीमुद्दीन ने लीगी सदस्य, इब्राहीम के संशोधन का समर्थन किया। खाण्डेकर तथा रेणुका रे ने दोनों संशोधनों का कड़ा विरोध किया। रेणुका रे ने बताया कि समिति के सदस्यों ने समस्त जातियों को संतुष्ट करने का भरसक प्रयास किया है। सरदार पटेल ने बहस का उत्तर देते हुए बताया कि मैंने जनसंख्या के आधार पर अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित स्थान रखने की जब स्वीकृति दी थी तब यह सोचा था कि मुस्लिम लीगी सदस्य देश के विभाजन के पश्चात अब परिवर्तित स्थिति के अनुसार आचरण करेंगे। परन्तु अब भी हम देखते हैं कि उनके रुख में विष पर्याप्त मात्रा में भरा हुआ है।

अपरिचित राहों की चुनौतियां

अपरिचित लोग कभी-कभी हमारा ध्यान आकृष्ट करते हैं, इसलिए उनके प्रति आकर्षण होना स्वाभाविक है। जिसे हम नहीं जानते, उसे ही हम सबसे ज्यादा जानना चाहते हैं। होश संभालते ही यह दुनिया हमारे सामने एक किताब की तरह खुल जाती है। हमारे मन में कई तरह के प्रश्न उठ खड़े होते हैं और ज्ञान पाने की उत्सुकता हमें विकल कर देती है। यह विकलता मनुष्य का गुण, उसका स्वभाव और उसकी पूंजी है। हमारे जितने मनोभाव हैं, उनमें हमें विचलित कर देने की क्षमता होती है। प्रेम, घृणा, विरोध या युद्ध, ये सभी स्थितियां प्राय हमारे मन का चैन छीन लेती हैं। दरअसल, हम अपनी लघुता से विराटता को समझना चाहते हैं। वामन की तरह तीन पगों में संपूर्ण ब्रह्मांड को माप लेना चाहते हैं। हमारी आंशिक सफलता भी हमें उत्तेजित करने के लिए काफी होती है।

ध्यान से देखें, तो दुनिया में जो भी वस्तुएं दिखाई दे रही हैं, वे सब आदमी के लिए ही तो है। बड़ी-बड़ी दुकानों में सजे हुए तमाम सामान हमारे उपभोग के लिए ही तो हैं। इन सभी चीजों का भोक्ता मनुष्य ही है। मनुष्य न हो, तो आती-जाती ऋतुओं का सौंदर्य व्यर्थ लगता है। मनुष्य का आकर्षण ही सांसारिक वस्तुओं में रस भर देता है। हमारे जीवन में अज्ञात का बड़ा महत्व है। हमारी बुद्धि की पकड़ से परे होने के कारण ही ईश्वर सुंदर और प्रिय लगता है।

कड़वा सत्य यही है कि जिस वस्तु को हम पा लेते हैं, फिर उस वस्तु में हमारी रुचि नहीं रह जाती। हमारा यह मनुष्य जीवन सपाट या नीरस नहीं होता। उसमें भय, उन्माद, चिंता आदि अनेक भाव छिपे रहते हैं। नित्य नया कुछ पाने की होड़ में हम लगे रहते हैं। हमारे जीवन की यात्रा तब सफल होती है, जब हम नित्य नए होते जाते हैं। उपलब्धियां हमारी ऊर्जा बढ़ाती हैं। हमें स्वयं को मांजने का अवसर मिलता है। इसलिए गति को ही जीवन कहा गया है।

एक लोककथा है- तीन मित्र किसी खजाने की खोज में चले जा रहे थे। चलते-चलते उन्हें अचानक चांदी की एक खान मिल गई। एक मित्र ने कहा- मैंने तो अपना लक्ष्य पा लिया। यह कहकर वह वहीं रुक गया। दूसरे मित्र आगे चल पड़े। कुछ दूर चलने पर उन्हें सोने की एक खान मिली। दूसरा मित्र खुशी से नाचता हुआ बोला- मेरा जीवन तो धन्य हो गया और वह वहीं पर रुक गया। तीसरा मित्र बिना निराश हुए आगे बढ़ता रहा। बहुत दूर चलने पर उसे हीरे की खान मिली। उसे पाकर उसे पूर्ण तृप्ति मिली।

कहने की आवश्यकता नहीं कि कोई भी प्राप्ति हमारी योग्यता, मेहनत और महत्वाकांक्षा पर निर्भर करती है। महाकवि निराला ने लिखा है- पास ही रे हीरे की खान!

महेंद्र मधुकर

गुजरात चुनाव में पुराने मुद्दों की वापसी

गुजरात के विधानसभा चुनाव में उन तमाम पुराने मुद्दों की वापसी हो गई है, जिन पर 2002 और उसके बाद के चुनाव नरेंद्र मोदी जीतते रहे हैं। राज्य का मुख्यमंत्री बने रहने के लिए वे जिन मुद्दों का इस्तेमाल करते थे और जिन मुद्दों की वजह से गुजरात भाजपा और संघ की प्रयोगशाला बना वे सारे मुद्दे फिर से 2022 के चुनाव में उठाए जाने लगे हैं। बतौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य में फिर से अपनी सरकार बनाने के लिए वे ही मुद्दे उठा रहे हैं, जो मुख्यमंत्री बने रहने के लिए उठाते थे। राज्य के चुनाव में आतंकवाद की एंट्री हो गई है और साथ ही नरेंद्र मोदी की जान के खतरे वाली बात भी सामने आ गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 27 नवंबर की अपनी चुनावी रैलियों में आतंकवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और समान विचार वाली पार्टियां आतंकवाद को सफलता का शॉर्टकट मानती हैं और बड़ी आतंकवादी घटनाओं पर चुप रहती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा की सरकार ही गुजरात को आतंकवाद से बचा सकती है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तो गुजरात में चुनाव प्रचार करते हुए आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल को आतंकवादियों से प्यार करने वाला बताया। इससे कुछ ही दिन पहले एनआईए के ऑपरेशन ऑक्टोपस में खुलासा हुआ कि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मारने की साजिश रची थी। चुनाव से पहले मीडिया में इस खबर को पर्याप्त कवरेज मिल रही है। इस तरह की खबरों से गुजरात के मतदाता स्वाभाविक रूप से भाजपा के पक्ष में एकजुट होते हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का समापन समारोह उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढिय़ा ओलम्पिक का समापन समारोह ठाकुर प्यारेलाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान में आज उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। शासन द्वारा छत्तीसगढ़ी खेलों को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढिय़ा ओलम्पिक का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय छत्तीसगढिय़ा ओलम्पिक 1313 प्रतिभागी शामिल हुए। प्रतियोगिता के दूसरे दिन जहां रस्साकसी की जोर आजमाइश हुई, वहीं खो-खो, कबड्डी की प्रतियोगिता रोमांचक रही।

महिलाओं ने विशेषकर रस्साकसी, संखली एवं पिट्ठुल की प्रतियोगिता में रूचि दिखाई। बच्चों ने खो-खो, गिल्ली डंडा जैसे प्रतियोगिता में सक्रियता दिखाई।

छुरिया विकासखंड के ग्राम बेलरगोंदी की श्रीमती हेमलता ने कहा कि आज हम पिट्ठुल की प्रतियोगिता में जीत गए हैं। पहली बार हम लोग खेलने के लिए घर से बाहर निकले हैं। बचपन में गांव में गली-गली में यह पारंपरिक खेल खेलते थे। लेकिन शादी के बाद सब खेल भूल गए। अब सरकार खेलने का मौका दी है तो यह बहुत खुशी की बात है। डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम पटपर से आई श्रीमती चमेली साहू ने बताया कि रस्साकसी की प्रतियोगिता में जीत गए हैं। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिता में अब्बड़ खुशी लगिस। पहली हमन बर खेती-खार के बस काम रहीस, लेकिन अब मनरेगा योजना से हमन ल रोजगार मिल गे हे अऊ सरकार ह महिला मन ल आगे बढ़ात हे। श्रीमती दुलारी, मालती, दुलेश्वरी, रेवती रस्साकसी की प्रतियोगिता में शामिल होने आए थे। महिलाओं ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर, विकासखंड स्तर के बाद जिला स्तर तक पहुंचे हैं और अब संभाग स्तर पर खेलने जाएंगे।

संयुक्त कलेक्टर श्री खेमलाल वर्मा ने बताया कि जिलेभर में ग्राम पंचायत, विकासखंड एवं जिला स्तर तक लगभग 1 लाख 66 हजार खिलाडिय़ों ने भाग लिया। छत्तीसगढिय़ा ओलम्पिक अंतर्गत 28 नवम्बर को बिल्लस, फुगड़ी, 100 मीटर दौड़, लम्बीकूद, लंगड़ी दौड़, गेंड़ी दौड़, कंचा (बांटी), कबड्डी, भौंरा खेल में 398 महिला व 393 पुरूष प्रतिभागी तथा 29 नवम्बर को रस्साकसी, गिल्ली डंडा, खो-खो, संखली, पिट्ठुल खेल में 261 महिला व 261 पुरूष प्रतिभागी शामिल हुए। जिसमें 0-18 आयु वर्ग, 18-40 आयु वर्ग एवं 40 से अधिक आयु वर्ग में युवा, महिला, पुरूष व बुजुर्ग विभिन्न खेलों में शामिल हुए। दो दिनों तक चले जिला स्तरीय छत्तीसगढिय़ा ओलम्पिक में 659 पुरूष एवं 652 महिला कुल 1313 प्रतिभागियों ने विभिन्न खेलों में शामिल हुए। जिसमें कबड्डी में 225, 100 मीटर दौड़ में 30, गेड़ी दौड़ में 24, लंगड़ी दौड़ में 50, फुगड़ी में 27, बिल्लस में 25, भौंरा में 29, कंचा (बांटी) में 85, लंबी कूद में 27, सांखली में 136, खो-खो में 254, रस्साकसी में 225, पिट्ठुल में 66 एवं गिल्ली डंडा में 110 प्रतिभागी शामिल हुए।

फिजियोथैरेपी एवं दंत चिकित्सा का चार दिवसीय शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर सराफ एसोसिएशन द्वारा फिजियोथैरेपी एवं दंत चिकित्सा का चार दिवसीय शिविर आज दिनांक 29 नवम्बर 2022 मंगलवार, से 2 दिसंबर 2022 शुक्रवार तक सुराना भवन छोटापारा रायपुर में शुभारंभ हुआ। शिविर में घुटनों से संबंधित समस्याओं, सर्वाइकल, स्पॉन्डिलाइटिस, फ्रोजेन शोल्डर, पीठ/गर्दन/एड़ी के दर्द और टेनिस एल्बो जैसी समास्या के लिए फिजियोथेरेपी द्वारा ईलाज की जानकारी उदयपुर राजस्थान से आये डॉ कैलाश कुमार एवं डॉ एम. ए. चयनम द्वारा अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे है।

साथ ही डॉ जितेन्द्र सराफ एवं डॉ श्रीमती प्रिया सराफ के द्वारा संचालित सीता दंत एक्सप्रेस (छत्तीसगढ़ की सर्वप्रथम चलित दंत चिकित्सा एम्बुलेंस) में दांतों से सम्बंधित समास्याओं एवं बीमारी के ईलाज की जानकारी प्रदान की जा रही हैं।

रायपुर सराफ एसोसिएशन के इस आयोजन मे आज विशेष छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश मीडिया प्रभारी कैलाश खेमानी छत्तीसगढ़ कैट के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष परमानन्द जैन प्रदेश मंत्री सुरेंद्र सिंह के साथ रायपुर सराफ के संरक्षक धरम भंसाली, त्रिलोक बरड़िया, प्रमुख सलाहकार मगेलाल मालू, पवन अग्रवाल, उत्तम गोलछा, नरेंद्र दुग्गड़, महावीर बुरड़, भरत जैन, सुनील पारख, संजय कानूगा, महावीर मालू, अध्यक्ष सुरेश भंसाली, सचिव दीपचंद कोटड़िया, उपाध्यक्ष हरीश डागा, सह सचिव प्रवीण मालू, कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र सेठिया, सौरभ कोठारी, विकास कानूगा एवं समस्त संरक्षक, पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी सदस्यों के अथक प्रयास से स्वास्थ शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विशेष कन्हैया अग्रवाल वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मनोज कन्दोई सहित आज़ लगभग 75 मरीजों को लाभ प्राप्त हुआ एवं लगभग 400 पंजीयन आ चुके है।

इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग साधुमार्गी जैन संघ के अध्यक्ष उदयराज पारख संतोष खटोड एवं शकुंतला फाउंडेशन की स्मिता सिंह, प्रत्यूशा फाउंडेशन की प्रीति मिश्रा का सहयोग भी मिल रहा है।

खास खबर

मतदाता सूची पुनरीक्षण के संबंध में राजनीतिक दलों की बैठक सम्पन्न

बिलासपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभकुमार के निर्देश पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती ललिता भगत ने आज अपने कार्यालय कक्ष में मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक ली। बैठक में सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी भी शामिल हुए। श्रीमती भगत ने पदाधिकारियों को निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की प्रगति से अवगत कराया। जिला निर्वाचन कार्यालय को अब तक की स्थिति में 10,836 नाम जोड़ने, काटने एवं संशोधन के लिए आवेदन मिल चुके हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने, कटवाने एवं संशोधन के लिए जरूरी फार्म 6, फार्म 7 एवं फार्म 8 के भरे जानी की प्रक्रिया फिर से बताई। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण का वर्तमान चरण 8 दिसम्बर तक चलेगा। राजनीतिक दल अपने स्तर पर भी बूथ लेवल अभिकर्ता नियुक्त कर संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य में लगे बीएलओ एवं अभिहित अधिकारियों को मदद करने के लिए कहें। मतदाता सूची में आधार लिंकिंग के लिए वोटर हेल्प लाईन के संबंध में बताया गया।

दिव्यानशी ने किया गौरवान्वित

नारायणपुर। युवा प्रतिभाशाली छात्रों को अपनी प्राकृतिक जिज्ञासा जगाने और प्रयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करने और प्रयोग करके और देखकर रचनात्मकता निर्मित करने के उद्देश्य से जवाहर नवोदय विद्यालय कटक ओडिशा में क्षेत्रीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया। इस आयोजन में जवाहर नवोदय विद्यालय नारायणपुर की कक्षा 8वीं की छात्रा दिव्यानशी राय ने क्षेत्रीय विज्ञान कांग्रेस में भाग लेकर शाला को गौरवान्वित किया। छात्रा दिव्यानशी ने आकर सभी बच्चों के साथ अपना अनुभव साझा किया नैशनल राइस रिसर्च इंस्टिट्यूट जाकर वहाँ के कार्य तथा वैज्ञानिकों से मिलकर शिक्षा ली।

बलौदाबाजार नगर को मिली बड़ी सौगात

नगरीय प्रशासन मंत्री ने 5 करोड़ के कार्यों का किया भूमिपूजन एवं शिलान्यास

नगर के लिए 2 करोड़ 74 लाख रुपये के विभिन्न कार्यो को मिली अतिरिक्त स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार द्वारा आयोजित भूमिपूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में पहुँचे नगरीय प्रशासन तथा विकास एवं श्रम मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया ने नगरवासियों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने 5 करोड़ के कुल 68 विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किए। साथ ही उन्होंने नगर वासियों की मांग पर नगर के लिए 2 करोड़ 74 लाख रुपये के विभिन्न कार्यो स्वीकृत दी है। जिसमें 1 करोड़ 24 लाख रुपये जल आवर्धन कार्य,1करोड़ 24 लाख रुपये डोर टू डोर सफाई समाग्री,जेसीबी हेतु एवं 10-10 लाख रूपए सिख समाज,सेन समाज एवं देवांगन समाज के लिए सामुदायिक भवन के लिए प्रदान किया है।

कार्यक्रम को संबोधित करतें हुए मुख्य अतिथि नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया ने कहा मुख्यमंत्री माननीय भुपेश बघेल के नेतृत्व में लगातार सभी नगरीय निकायों में स्वच्छता एवं डोर टू डोर क्लेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी का ही परिणाम है कि हमारा राज्य पूरे देश मे लगातार तीन सालों से स्वच्छता के क्षेत्र में अव्वल है। साथ ही उन्होंने नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना एवं श्री धन्वंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर से हितग्राहियों को हो रहे फायदे को गिनाएं।

इस दौरान बलौदाबाजार विधायक प्रमोद शर्मा,कृषक कल्याण परिषद अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा,छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम शैलेश नितिन त्रिवेदी,छत्तीसगढ़ जीव जंतु कल्याण बोर्ड अध्यक्ष विद्याभूषण शुक्ल,पूर्व विधायक जनक राम वर्मा,नगर पालिका अध्यक्ष चितावर जायसवाल, जिलाध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर,पार्षद रूपेश ठाकुर सहित समस्त पार्षद,एल्डरमैन साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि गण,गणमान्य नागरिक, मीडिया कर्मी उपस्थित थे। आज हुए भूमिपूजन में वार्ड क्र. 2 एवं 4 में कलेक्ट्रेड रोड से नया बस स्टैण्ड के पीछे उद्यान तक बी.टी. रोड निर्माण कार्य हेतु 106.48 लाख रुपये,नगर भवन में जीर्णोद्धार कार्य हेतु 92.19 लाख रूपये,वार्ड क्र.10 मटन मार्केट में स्लॉटर हाऊस सी. सी. रोड एवं बाऊण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य के लिए 29.80 लाख रुपये,वार्ड क्र. 17, 18 एवं 19 आंगनबाड़ी केन्द्र से 04. मणीकंचन केन्द्र होते हुए वाशिंग सेंटर तक 525 मीटर आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 24 लाख रुपये एवं अधोसंरचना मद अंतर्गत विभिन्न 64 निर्माण कार्य हेतु 247.53 लाख रुपये शामिल है। इस तरह कुल 68 कार्य के लिए 499.91 लाख रुपये का भूमिपूजन किया गया है। इस दौरान नगर पालिका अधिकारी यमन देवांगन सहित नगरीय निकाय विभाग के समस्त कर्मचारी-अधिकारी गण उपस्थित थे।

पहाड़ी कोरवाओं को भी मिल रहा है न्याय योजना का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर अंचल के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों को भी न्याया योजनाओं का लाभ मिल रहा है। कलेक्टर जशपुर द्वारा ली गई विडियों कॉन्फ्रेंसिंग में राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन मजदूर न्याय योजना से लाभान्वित मसरी एवं रूपन राम ने बताया कि उन्हें दो किस्तों में दो-दो हजार राशि प्राप्त हुई है। अब तक दोनों हितग्राहियों के खाते में 4-4 हजार रुपए मिल है। यह राशि उनके परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए काम आ रही है।

पहाड़ी कोरवा विशेष विछड़ी जनजाति से ताल्लुक रखने वाले मसरी और रूपन राम बगीचा विकासखण्ड में क्रमश: ग्राम कुरूमढोड़ा और गासेबध के रहने वाले है। इन्हें राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन योजना के तहत् दो किश्तों में दो-दो हजार रूपए की राशि मिली है। इन लोगों का कहना है कि यह योजना वाकई में गरीबों के लिए अच्छी योजना है। उन्होंने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार भी व्यक्त किया। विडियों कॉन्फ्रेंसिंग में मसरी और रूपन राम ने बताया कि उन्हें उचित मूल्य दुकान के माध्यम से हर माह राशन नियमित रूप से मिल रहा है। उनका बैंक खाता भी खोला गया है, इस खाते के माध्यम से उन्हें राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन मजदूर न्याया योजना के तहत् राशि मिली है। मसरी ने बताया कि उनके पिता लुबरी को वृद्धावस्था पेंशन का भी लाभ मिल रहा है। इसी प्रकार रूपन राम ने बताया कि उन्हें गांव में ही मनरेगा के तहत् रोजगार मिल रहा है। वे हर माह उचित मूल्य की दुकान से राशन का उठाव करते हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन श्रमिक परिवार के तहत पात्र हितग्राहियों की संख्या 04 लाख 66 हजार है। इनमें से प्रत्येक हितग्राही को 07 हजार रूपए की वार्षिक सहायता दी जाती है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में योजना के हितग्राहियों को 02 किस्तों में 221.88 करोड़ रूपए दिए गए हैं। इस योजना से लाभान्वित होने के लिए हितग्राहियों को छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना चाहिए और साथ ही संबंधित परिवार के पास कृषि भूमि भी नहीं होनी चाहिए। इसके अंतर्गत चरवाहा, बढ़ई, लोहार, मोची, नाई, धोबी, पुरोहित जैसे पौनी-पसारी व्यवस्था से जुड़े परिवार, वनोपज संग्राहक और राज्य के आदिवासी अंचलों में देव स्थलों पर पूजा करने वाले, मांझी, चालकी, गायता, सिरहा, बैगा गुनिया, पुजारी, हाट पहरिया, बाजा मोहरिंया इत्यादि।

मोबाइल सेवाओं का हो रहा विस्तार, जीरो नेटवर्क वाले 13 स्थानों पर 4जी टॉवर स्थापित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर अंचल के सुकमा जिले में ऐसे क्षेत्र जहां अब तक मोबाइल नेटवर्क की पहुंच नहीं हो पा रही थी, वहां पर संचार सेवा उपलब्ध कराने के लिए नए-नए मोबाइल टॉवर लगाए जा रहे हैं। सुकमा जिले में जिला प्रशासन के निर्देशन में Universal Service Obligation Fund द्वारा सर्वे कार्य कर वहां मोबाइल टॉवर स्थापित किए जा रहे हैं।

विगत 7 महिनों में सुकमा में 13 स्थानों पर 4जी मोबाइल टॉवर स्थापित किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मई माह में सबसे पहले गीदमनाला में टॉवर स्थापित किया गया। टॉवर स्थापित होने पर कोण्टा के संवेदनशील क्षेत्र के ग्राम मिनपा, एल्मागुण्डा, नागलगुण्डा के ग्रामीणों को 4जी नेटवर्क की सुविधा मिली। वर्तमान में अतकारीरास, कुमाकोलेंग, पोंदुम, चिंगावरम, पाकेला, किकिरपाल, रामपुरम, बड़ेसट्टी, गंजेनार में भी ग्रामीण 4जी नेटवर्क की सुविधा का लाभ ले रहे हैं।

अब वे बिना किसी दिक्कत के लोगों से बात-चीत कर रहे है, अब वहां नेटवर्क की समस्या नहीं है। ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर मोहम्मद शाहिद ने बताया कि niversal Service Obligation Fund द्वारा नेटवर्क व्यवस्था में सुधार के लिए सर्वे का कार्य जारी है। इन इलाकों में 53 नए 4जी टॉवर स्थापित करने के साथ ही वर्तमान में क्रियाशील 2जी और 3जी के 26 टॉवरों को 4जी में अपग्रेड करने की योजना है।

प्रदेश में आज शुष्क रहेगा मौसम

रायपुर। प्रदेश में आज मौसम शुष्क रहने की संभावना है। प्रदेश में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी का क्रम जारी रहने की संभावना है। परंतु न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। प्रदेश के बस्तर संभाग में 3 दिसंबर तक न्यूनतम तापमान में 4 से 5 डिग्री वृद्धि होने की संभावना है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है। इसके कारण क्षोभ मंडल के निम्न स्तर पर हल्की नमी का आगमन हो रहा है, परिणाम स्वरूप प्रदेश के दक्षिणी भाग में हल्के बादल आयुष हुए हैं। एक पश्चिमी विक्षोभ 1 दिसंबर को जम्मू कश्मीर को प्रभावित करने की संभावना है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

रोगोपचार संबंधित स्थापना नियमों के क्रियान्वयन की जिला समिति की बैठक संपन्न

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के मार्गदर्शन में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ राज्य उपचर्यागृह संबंधित स्थापनाएं अनुज्ञापन अधिनियम 2010 से संबंधित नियमों के क्रियान्वयन के परिप्रेक्ष्य में जिला समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नर्सिंग होम एक्ट अंतर्गत 19 नवीन एवं 11 नवीनकरण पजीयन हेतु प्राप्त दस्तावेजों का परीक्षण उपरान्त अनुमोदन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि निर्धारित शर्ते जैसे अग्निशमन विभाग, पर्यावरण विभाग तथा रेडिएशन बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र तथा सोनोग्राफी कि स्थिति में पीसीपीएनडीटी एक्ट के प्रावधानों के तहत अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ ही अन्य शर्ते पूरे करने पर संस्थाओं को लाइसेंस जारी की जाती है। उन्होंने बताया कि आज जिला समिति की बैठक में हुए अनुमोदन उपरांत लाइसेंस जारी करने की कार्यवाही की जाएगी तथा चार संस्थाओं को लाइसेंस के लिए अपात्र माना गया है। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश छिकारा, नगरीय निकाय एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

डिस्ट्रिक्ट इंडिकेटर फ्रेमवर्क ' पर एक दिवसीय संभाग स्तरीय प्रशिक्षण 8 दिसम्बर को होगी

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने बताया कि राज्य योजना आयोग द्वारा तैयार किए गये। डिस्ट्रिक्ट इंडिकेटर फ्रेमवर्क पर एक दिवसीय संभाग स्तरीय प्रशिक्षण जिला कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में 8 दिसम्बर को दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक आयोजित है।

मुक्तिबोध प्रसंगः जब तक अंधेरा गहराता रहेगा, मुक्तिबोध याद किये जाते रहेंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंधेरे समय में खुद की तलाश करने के नाम मुक्तिबोध है। जैसा अंधेरा मुक्तिबोध के जमाने में था, आज उससे कहीं ज्यादा गहरा है। ऐसे में मुक्तिबोध रोशनी दिखाते हैं, यह बात कवि एवं विचारक लाल्टू ने पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कला भवन में आयोजित दो दिवसीय 'मुक्तिबोध प्रसंग' के आयोजन के पहले दिन उद्घाटन सत्र के दौरान कही। उन्होंने मुक्तिबोध के भाषा संबंधी विचारों को व्यक्त करते हुए मुक्तिबोध के लेख 'अंग्रेजी जूते में हिंदी फिट करने वाले भाषाई रहनुमा' को पढ़ते हुए वर्तमान भाषाई संकट पर बात रखी। अलग-अलग सत्रों व विभिन्न विषयों पर केन्द्रित दो दिवसीय 'मुक्तिबोध प्रसंग' का आयोजन छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी और पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

वरिष्ठ आलोचक जय प्रकाश ने मुक्तिबोध के जीवन प्रसंग से जुड़े आत्मीय संस्मरणों को सुनाते हुए, विचर निर्माण की यात्रा से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मुक्तिबोध की कविता और जीवन में एकरूपता दिखती है।

उद्घाटन सत्र में विमर्श और कविता पाठ

वह संघर्ष के कवि हैं। विचारधारा की प्रासंगिकता मुक्तिबोध को मुक्तिबोध बनाते हैं। इस सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रदीप मुक्तिबोध ने कहा कि मुक्तिबोध ने शिक्षा और इतिहास को लेकर बात की। आज संवैधानिक संस्थायें खतरे में हैं यह हम आज के समय में देख रहे हैं और उन्होंने बहुत पहले कहा था कि अभिव्यक्ति के सारे खतरे उठाने ही होंगे।

मुक्तिबोध की कविताओं पर केन्द्रित 'आवेग-त्वरित-काल-यात्री' विमर्श सत्र के दौरान कवि मिथलेश शरण चौबे ने कहा कि मुक्तिबोध साहित्य और समाज को लेकर चलते हैं। मुक्तिबोध साहित्य एवं समाज के सीधे संवाद के हिमायती हैं। उनकी कवायद रही है कि साहित्य और कलायें राजनीति के अंदर की चेष्टायें नहीं हैं, बल्कि राजनीति के समानांतर चलने वाली चेष्टा है। मुक्तिबोध राजनीति की केन्द्रता को हटाकर आम जनमानस को स्थापित करते हैं। इसकी पहली सीढ़ी है मनुष्य निर्माण। सत्य का अन्वेषण करते हुए मुक्तिबोध सत्य की सार्थकता को व्यक्त करते हैं। इसी सत्र में आलोचक मृत्युंजय कहते हैं कि मुक्तिबोध की कविताओं में मैं की आलोचना है। वे आत्मसंघर्ष की बात विस्तार रूप में करते हैं। उनके पास भविष्य का नक्शा व समय की समीक्षा है।

कवि गोष्ठी का आयोजन

आखिरी सत्र 'कविता समय' में कवियों द्वारा अपनी कविताओं का पाठ किया गया, जिसमें लाल्टू ने उद्धरण में मुक्तिबोध, स्वाद, स्वर्ण युग, जुड़ो, जानना, नवल शुक्ल ने यह लोकतंत्र हमारा है, छूटना, मैं प्रतिदिन हूं, विजय सिंह ने डोकरी फूलों की, पथिक तारक ने नदी यहां से बंधेगी, बांध,पिता के साथ-साथ, भास्कर चौधरी ने यह बैल बूढ़ा, इच्छा, अम्मा के हिस्से का दु:ख, काली लड़की, उसने कहा आदि कवितायें सुनाई। बसंत त्रिपाठी ने इस सदी को, 47 साल, घर और पड़ोस कविता पढ़ी, मिथलेश शरण चौबे ने मरना नहीं था, अमरता के गल्प को ठेलना था, अंदर, नि:शब्द, मृत्युंजय ने गुरु दिवस, मांजना के साथ ही आखिर में प्रफुल्ल शिलेदार ने कविताएं पढ़ी। विभिन्न सत्रों में कार्यक्रम का संचालन क्रमश: राजकुमार सोनी, कामिनी और भुवाल सिंह ठाकुर ने किया।

30 नवम्बर के कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष ईश्वर सिंह दोस्त ने बताया कि 8 नवम्बर को रविशंकर विश्वविद्यालय के कला भवन में मुक्तिबोध प्रसंग अंतर्गत सुबह 11 बजे विमर्श सत्र- 'मुक्तिबोध और मुक्तिबोध: गजानन माधव और शरच्चंद्र माधव', वक्ता- श्रीपाद भालचंद्र जोशी, प्रदीप मुक्तिबोध, प्रफुल्ल शिलेदार अपने विचार व्यक्त करेंगे। इस सत्र की अध्यक्षता- दिवाकर मुक्तिबोध द्वारा की जाएगी। दोपहर 2 बजे कविता समय, शून्य व अन्य कविताओं का मंचन होगा। इसके साथ ही विभाष उपाध्याय, सूत्रधार नाट्य समूह, भिलाई द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। दोपहर 2.30 बजे विमर्श सत्र: 'अंधेरे में रोशनी मुक्तिबोध' वक्ता बसंत त्रिपाठी, पंकज श्रीवास्तव, कामिनी और भुवाल सिंह ठाकुर अपने विचार व्यक्त करेंगे। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. मधुलता बारा द्वारा की जाएगी।

पेड़ों की कटाई के नियमों में हुआ बदलाव, अब वृक्षों को काटने के लिए स्वतंत्र होंगे भूमि स्वामी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर राज्य शासन द्वारा निजी भूमि पर कृषि के रूप में रोपित वृक्षों और प्राकृतिक रूप से उगे वृक्षों की कटाई के नियमों का सरलीकरण किया गया है। जिसके अनुसार अब भूमिस्वामी अपनी भूमि में कृषि के रूप में रोपित वृक्षों की कटाई स्वयं करवा सकेंगे। पेड़ों की कटाई के लिए अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी, उन्हें मात्र अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को सूचना देनी होगी। भूमिस्वामी वन विभाग से भी वृक्ष कटवा सकेंगे।

इसी प्रकार भूमि पर प्राकृतिक रूप से उगे हुए वृक्षों की कटाई के लिए भूमिस्वामी को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को आवेदन देना होगा। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्धारित प्रक्रिया के तहत निश्चित समयावधि में लिखित अनुमति देनी होगी।

यदि आवेदक को समयावधि के बाद अनुमति नहीं मिलती तो वे पेड़ कटाई के लिए स्वतंत्र होंगे।

प्राकृतिक रूप से उगे वृक्षों की कटाई की अनुमति के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को आवेदन प्राप्ति के 45 कार्य दिवस के भीतर निर्धारित प्रक्रिया के तहत अनुमति देनी होगी। यदि आवेदक को लिखित अनुमति प्राप्त नहीं होती है तो वे स्मरण पत्र दे सकेंगे। यदि अगले 30 कार्यदिवस के भीतर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व से लिखित अनुमति प्राप्त नहीं होती है तो इसे अनुमति माना जाएगा और भूमिस्वामी वृक्षों की कटाई के लिए स्वतंत्र होगा। इस संबंध में हुए विलम्ब एवं नियमों का उल्लंघन होता है तो उसके लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उत्तरदायी होंगे। यदि भूमि स्वामी चाहें तो वन विभाग के माध्यम से भी वृक्षों की कटाई करा सकेंगे। एक कैलेण्डर वर्ष भूमि पर प्राकृतिक रूप से उगे अधिकतम 4 वृक्ष प्रति एकड़ के मान से एवं अधिकतम कुल 10 वृक्षों की कटाई की अनुमति दी जा सकेगी। प्राकृतिक रूप से उगे हुए वृक्षों की कटाई के लिए भूमिस्वामी द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को दिए गए आवेदन के आधार पर राजस्व अधिकारी और वन अधिकारी द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया जाएगा। वृक्षों के संबंध में भूमि स्वामी के हक, राजस्व अभिलेखों में पंजीयन, वृक्षों की शुष्कता/परिपक्वता, भूस्वामी के कृषि व्यवसाय की अपरिहार्यता आदि को शामिल करते हुए निरीक्षण प्रतिवेदन 30 कार्यदिवस में दिया जाएगा।

वृक्षों की कटाई के लिए प्रक्रिया

भूमिस्वामी द्वारा लिखित में इच्छा व्यक्त किए जाने पर, उसकी भूमि में कृषि के रूप में रोपित वृक्षों तथा प्राकृतिक रूप से उगे वृक्षों की कटाई वन विभाग द्वारा की जा सकेगी। वन विभाग को आवेदन की प्राप्ति के 30 कार्य दिवस के भीतर, वन मण्डलाधिकारी वृक्षों की कटाई एवं डिपो तक अभिवहन सुनिश्चित करते हुए निर्धारित दर पर लकड़ी का मूल्य परिगणित करते हुए, राज्य के अनुसूचित जनजाति वर्ग के भूमिस्वामी के संदर्भ में छत्तीसगढ़ आदिम जनजातियों का संरक्षण (वृक्षों में हित) अधिनियम 1999 के प्रावधानों के तहत कुल मूल्य का 95 प्रतिशत राशि भूमि स्वामी के बैंक खाते में निक्षेपित कराएगा एवं शेष 05 प्रतिशत राशि वन विभाग के निर्धारित खाते में जमा की जाएगी। जमा राशि से, प्रत्येक काटे जाने वाले वृक्ष के 05 गुना की संख्या में वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण एवं उनका अनुरक्षण किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में मातृत्व मृत्यु दर में बड़ी गिरावट, 159 से घटकर 137 हुई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मातृत्व मृत्यु दर में बड़ी गिरावट आई है। राज्य शासन द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिए जाने के कारण वर्ष 2016 से 2018 के बीच 159 एमएमआर वाले छत्तीसगढ़ का एमएमआर अब घटकर 137 पर पहुंच गया है। प्रदेश में मातृत्व मृत्यु दर का अब तक का यह सबसे न्यूनतम आंकड़ा है।

भारत के महापंजीयक कार्यालय द्वारा 28 नवम्बर को वर्ष 2018 से 2020 के बीच देश में मातृत्व मृत्यु पर विशेष बुलेटिन जारी किया गया है। इसके मुताबिक तीन वर्षों में प्रदेश के एमएमआर में 22 अंकों की कमी आई है। एसआरएस के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में प्रति एक लाख जीवित बच्चों के जन्म पर मातृ मृत्यु की दर 159 से घटकर अब 137 हो गई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में गर्भवती और शिशुवती महिलाओं को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने सुपोषण अभियान संचालित किया जा रहा है। मातृत्व स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल और गर्भवती व शिशुवती महिलाओं को हर तरह का इलाज मुहैया कराने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार सुदृढ़ीकरण किया गया है। ज्यादा जोखिम वाले गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच और निगरानी की जा रही है।

राज्य में संस्थागत प्रसवों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। शासकीय अस्पतालों में सिजेरियन प्रसव की भी सुविधाएं बढ़ी हैं। समुदाय और मैदानी स्तर पर मितानिनें और एएनएम मातृ व शिशु स्वास्थ्य पर लगातार नजर रख रही हैं। राज्य शासन के इन सब कदमों की वजह से प्रदेश में मातृत्व मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है।

प्रदेश में धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए तेजी से हो रहा उठाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

अब तक उपार्जित 19.39 लाख टन धान में से 10 लाख टन का उठाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव भी लगातार किया जा रहा है। खाद्य विभाग द्वारा जिन जिलों में राइस मिलों की संख्या कम होने के कारण मिलिंग क्षमता कम है, और आवक ज्यादा है, वहां अन्य जिलों के राइस मिलरों को जोड़ा गया है, जिससे कि कस्टम मिलिंग का काम तेजी से हो सके। प्रदेश में अब तक उपार्जित 19.39 लाख मीट्रिक टन धान में से लगभग 16.08 लाख मीट्रिक टन धान का डीओ जारी किया गया है। इनमें से 10 लाख मीट्रिक टन से भी अधिक धान का उठाव समितियों से किया जा चुका है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में उपार्जित धान के त्वरित उठाव व निराकरण हेतु मिल पंजीयन के संबंध में दिशा-निर्देश भी राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी प्रारंभ होने के पूर्व ही दिनांक 27 सितम्बर 2022 को प्रसारित कर धान के उठाव, निराकरण व कस्टम मिलिंग हेतु मिलों के पंजीयन व अनुमति, अनुबंध का कार्य भी धान उपार्जन प्रारंभ होने के साथ ही शुरू कर दिया गया था। चालू सीजन में अब तक लगभग 1949 मिलों के पंजीयन की कार्यवाही की गई है। अब तक उपार्जित 19.39 लाख मीट्रिक टन धान के विरूद्ध लगभग 153.10 लाख मीट्रिक टन धान की मिलिंग अनुमति एवं 149.18 लाख मीट्रिक टन धान का अनुबंध जारी किया जा चुका है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में पूरे खरीफ वर्ष में अनुमानित धान उपार्जन की मात्रा से भी अधिक मात्रा में मिलिंग की अनुमति व अनुबंध जारी किया जा चुका है। साथ ही प्रदेश में उपार्जित धान के उठाव हेतु डीओ जारी करने एवं

धान के उठाव का कार्य भी प्रारंभ किया जा चुका है। प्रदेश में अब तक उपार्जित 19.39 लाख मीट्रिक टन धान में से लगभग 16.08 लाख मीट्रिक टन धान का डीओ जारी किया जा चुका है, जो उपार्जित धान का लगभग 83 प्रतिशत है। जारी डीओ के विरूद्ध 10 लाख मीट्रिक टन से भी अधिक धान का उठाव समितियों से किया जा चुका है, जो जारी डीओ का लगभग 63 प्रतिशत है। विगत एक सप्ताह में प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1.18 लाख मीट्रिक टन के दैनिक औसत से 8.30 लाख मीट्रिक टन धान का डीओ जारी किया गया है। इसी तरह प्रतिदिन लगभग 87 हजार मीट्रिक टन के औसत से 6.06 लाख मीट्रिक टन धान का समितियों से सीधे मिलरों द्वारा उठाव हुआ है। गौरतलब है कि प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से धान उपार्जन हेतु इस वर्ष लगभग 25.91 लाख किसानों के 31.81 लाख हेक्टेयर रकबे का पंजीयन किया गया है, जो राज्य बनने के बाद से अब तक का सर्वाधिक पंजीयन है। प्रदेश में अ+ब तक लगभग 5.42 लाख किसानों से कुल 19.39 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है।

कम मिलिंग क्षमता के जिलों में धान उठाव के लिए मिलर्स संलग्न

खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़चौकी और राजनांदगांव जिले में धान के तेजी से उठाव एवं कस्टम मिलिंग के लिए जांजगीर, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, दुर्ग, धमतरी और रायपुर के राइस मिलरों को संलग्न किया गया है। इसी प्रकार कवर्धा जिले में धान के तेजी से उठाव एवं कस्टम मिलिंग के लिए बिलासपुर, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, कोरबा, दुर्ग और रायपुर के राइस मिलरों को संलग्न किया गया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

क्या आपने कभी खाई है जंगली इमली? मिलते है ये पांच फायदे

जंगली इमली एक ऐसा फल है, जिसका सेवन स्वास्थ्य को कई तरह के लाभ दे सकता है। इसे विलायती इमली और मनीला इमली भी कहा जाता है। हो सकता है कि कई लोगों को यह फल नया हो, लेकिन हल्के मीठे स्वाद से भरपूर इस फल को डाइट में शामिल करना लाभदायक हो सकता है। आप इसका सलाद, कई तरह की चटनी या जूस के रूप में सेवन कर सकते हैं। आइए इसके फायदों के बारे में जानते हैं।

वजन घटाने में मिल सकती है मदद

अगर आप अपना वजन नियंत्रित करने में लगे हैं तो आपके लिए अपनी डाइट में जंगली इमली को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है। दरअसल, यह फल डाइटरी फाइबर और सैपोनिन नामक तत्व से युक्त होता है, जो पेट को लंबे समय तक भरा रखकर अस्वास्थ्यकर स्नैकिंग से बचाने में मदद करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिल सकती है। एक अध्ययन के अनुसार, सैपोनिन्स वजन को लगभग 20 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

आंत से संबंधित समस्याओं का कर सकती है इलाज

इस फल का इस्तेमाल काफी समय से ही आंतों की विभिन्न समस्याओं के इलाज के लिए किया जाता आ रहा है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण ई.कोली और शिगेला नामक बैक्टीरिया से लड़कर कई तरह की आंत संबंधित समस्याओं से बचाने में मदद कर सकते हैं। ये बैक्टीरिया आंतों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा, इस फल के बीजों में ओलीनोलिक एसिड होता है, जो आंत की कार्यक्षमता को सुधारने में मदद कर सकता है।

जोड़ों के दर्द से दिलाए राहत

यह फल एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है, जो जोड़ों के दर्द से राहत दिलाने में काफी मदद कर सकता है। यह ऑस्टियोपोरोसिस और अर्थराइटिस जैसी बीमारियों के जोखिम कम करने में भी सहायक हो सकता है और जोड़ों की गतिशीलता को बढ़ाने में मदद करता है। जोड़ों के दर्द और सूजन को दूर करने समेत हड्डियों से संबंधित कई समस्याओं से सुरक्षित रहने के लिए इस फल को अपनी डाइट में शामिल करें।

मधुमेह को नियंत्रित करने में है कारगर

जंगली इमली में एंटी-डायबिटीक गुण मौजूद होते हैं, जो इसे मधुमेह रोगियों के लिए अपनी डाइट में शामिल करने के लिए एक उपयुक्त फल बनाती है। इसकी छाल में प्रोटीन, सैपोनिन, टैनिन, फ्लेवोनोइड्स और अल्कलॉइड समेत फाइटोकेमिकल्स की अधिक मात्रा होती है, जो ब्लड शुगर को कम करके मधुमेह को नियंत्रित रखने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह फल खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में भी प्रभावी माना जाता है।

कैंसर के जोखिम कम करने में है मददगार

यह फल एंटी-कैंसर गुण से भी समृद्ध होता है। कई शोध के अनुसार, इस फल की पत्तियों में ऐसे एजेंट होते हैं, जो स्तन कैंसर कोशिकाओं को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह फल थायमिन और विटामिन-B से भी भरपूर होता है, जो ट्यूमर के विकास को रोकने के लिए जाना जाता है। हालांकि, कैंसर रोगी डॉक्टरी सलाह के बाद ही इस फल का सेवन करें।

पिंक डीपनेक आउटफिट में निक्की तंबोली ने दिखाया हुस्न का जलवा

बिग बॉस से घर-घर पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस निक्की तंबोली अपनी बोल्डनेस से फैंस पर कहर बरपाए रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। वहीं, एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने पिंक कलर के डीपनेक आउटफिट में कहर बरपाया है। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

एक्ट्रेस निक्की तंबोली अपनी कातिलाना और दिलकश अदाओं से फैंस को मदहोश करने का हुनर बखूबी जानती हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने पिंक कलर का डीपनेक क्रॉप टॉप पहन रखा है। साथ ही डेनिम रिब्ड जींस में एक्ट्रेस काफी ग्लैमरस नजर आ रही हैं। निक्की का ये आउटफिट उनकी खूबसूरती को चार चांद लगा रहा है। एक्ट्रेस के फैशन सेंस की फैंस तारीफ कर रहे हैं। अभिनेत्री निक्की तंबोली ने गोल्डन हेयर स्टाइल के साथ कई कातिलाना पोज दिए। साथ ही फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दीं। निक्की तंबोली अपने फैंस के साथ जुड़ने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। निक्की तंबोली की इन तस्वीरों पर फैंस लाइक और कमेंट्स की बौछार कर रहे हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर एक यूजर ने कॉमेंट कर के लिखा- सेक्सी तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा- स्टनिंग। फैंस भी एक्ट्रेस निक्की तंबोली की इन तस्वीरों को बेहद ही पसंद कर रहे है। साथ ही तस्वीरों को देखकर फैंस आहें भर रहे हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली के इंस्टाग्राम पर 3.6 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

बाघ के करीब से फोटो लेकर विवादों में फंसी रवीना टंडन, सफाई में कहा-

वन विभाग की जीप ट्रैक पर ही थी

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में सफारी के दौरान अभिनेत्री रवीना टंडन बाघ के करीब से फोटो लेकर अभिनेत्री रवीना टंडन विवादों में घिर आई हैं। सफारी के दौरान का एक वीडियो सामने आने के बाद वन्यप्राणी विशेषज्ञ बाघ के करीब जाने पर सवाल उठा रहे हैं। रवीना का कहना है कि वह वन विभाग की जीप में थी और जीप ट्रैक पर। इसमें बाघ के करीब जाने का सवाल ही नहीं उठता। रवीना टंडन ने बुधवार को कहा कि वह वन विभाग की जीप पर सवार थी और वह अपने निर्धारित रास्ते पर ही थी। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के अधिकारियों ने वायरल हो रहे वीडियो की जांच शुरू कर दी है। इस वीडियो में रवीना टंडन का वाहन टाइगर रिजर्व में एक बाघिन के पास है और उनकी गतिविधियों से नाराज होकर बाघिन ने पर्यटकों पर गुर्राया भी है।

रवीना टंडन इस समय मध्यप्रदेश में शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने भोपाल के अपने मजेदार पलों को भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने 22 नवंबर को भोपाल के पास स्थित नर्मदापुरम जिले में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की सफारी की थी। उनके साथ प्रशिक्षित गाइड और वन विभाग की ओर से उपलब्ध ड्राइवर थे। एक लोकल मीडिया की रिपोर्ट के साथ 25 नवंबर को रवीना टंडन ने ट्वीट में लिखा था कि कोई भी यह नहीं बता सकता कि बाघ कैसे रिएक्ट करेगा। यह वन विभाग की लाइसेंस वाला वाहन था, जिसमें उनके गाइड और ड्राइवर थे। उन्हें कायदे-कानून और सीमाएं पता हैं। टंडन के मुताबिक वह और साथी यात्री शांत बैठे थे और बाघिन को आगे बढ़ते देख रहे थे। रवीना ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर पोस्ट भी की हैं। उन्होंने रिजर्व में अपनी खींची तस्वीरें भी पोस्ट की हैं।

सतपुड़ा के बाघ सफारी वाहनों के अभ्यस्त

रवीना टंडन ने कहा कि हम टूरिज्म ट्रैक पर थे, जहां से यह बाघ गुजरते हैं। वीडियो में जो कैटी बाघिन है, वह भी सामान्य रूप से आगे बढ़ रही थी। वह वाहनों के पास से गुजरने को लेकर अभ्यस्त है। बाघ वहां के राजा होते हैं, जहां वे विचरण करते हैं। हम तो मूकदर्शक थे। उन्होंने यह भी लिखा कि बाघों के पास अचानक कोई गतिविधि उन्हें हमला करने को उकसा सकती है।

क्या है वायरल वीडियो में

रवीना टंडन की सफारी के दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर आया है। इसमें उनका सफारी वाहन बाघिन के पास से गुजरता है। क्लिप में कैमरा के शटर इतनी तेजी से बंद होते हैं कि उनकी आवाज सुनी जा सकती है। बाघिन को उस पर गुर्राते हुए देखा और सुना जा सकता है। यह मामला नर्मदापुरम जिले के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का है।

वन विभाग कर रहा है जांच

वन विभाग के सब डिविजनल ऑफिसर धीरज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा था कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर उन्होंने इस कथित मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि रवीना टंडन जब टाइगर रिजर्व में थी, तब उनका वाहन कथित तौर पर बाघिन के करीब पहुंच गया था। वाहन के ड्राइवर और ड्यूटी पर तैनात अफसरों को नोटिस भेजकर जवाब तलब किया जाएगा।

12 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे फरदीन खान, रितेश देशमुख के साथ आएंगे नजर

बॉलीवुड अभिनेता फरदीन खान पिछले कई वर्षों से फिल्मी पर्दे से दूरी बनाए हुए हैं। वहीं, अब वह 12 साल बाद फिर से बड़े पर्दे पर कदम रखने जा रहे हैं। पिछले साल रितेश देशमुख के साथ एक फिल्म में फरदीन के कमबैक की घोषणा की गई थी। पहले जहां फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी थी, तो अब खबर है कि यह सीधे ओटीटी पर आएगी। फिल्म को संजय गुप्ता और भूषण कुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फरदीन खान कूकी गुलाटी की फिल्म विस्फोट से दोबारा बॉलीवुड में अपने कदम रखने जा रहे हैं। संजय गुप्ता द्वारा निर्मित इस फिल्म की पिछले साल सितंबर में सिनेमाघरों में रिलीज करने की घोषणा हुई थी। लेकिन हाल ही में संजय गुप्ता ने बताया कि फरदीन खान की कमबैक फिल्म सिनेमाघरों में नहीं सीधे ओटीटी पर स्ट्रीम करेगी। एक इंटरव्यू में संजय गुप्ता ने बताया कि बॉक्स ऑफिस की परिस्थितियों के कारण 2023 में फिल्म को सीधे ओटीटी पर ही रिलीज करने का फैसला लिया गया है।

विस्फोट 2012 की वेनेजुएला की फिल्म रॉक, पेपर, कैंची का आधिकारिक रीमेक है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में रितेश देशमुख एक पायलट और फरदीन खान एक किडनैपर का किरदार निभा रहे हैं, जो रितेश के बेटे का अपहरण कर लेते हैं। वहीं, एक इंटरव्यू में फरदीन खान ने बताया था कि वह डोंगरी के एक लड़के की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग दक्षिण मुंबई इलाके में हुई है। इस फिल्म में फरदीन और रितेश के अलावा प्रिया बापट, क्रिस्टल डिसूजा, सीमा बापट और शीबा चड्ढा भी शामिल हैं। संजय गुप्ता ने इंटरव्यू में यह भी बताया कि हर्षवर्धन राणे और मीजान जाफरी स्टारर उनकी डायरेक्टोरियल वेंचर भी सीधे ओटीटी पर आएगी। फिल्मों को थिएटर में रिलीज न करके ओटीटी पर रिलीज करने के पीछे की वजह पूछने पर उन्होंने कहा, हमें इन फिल्मों को थिएटर में ले जाने और बड़ी संख्या में कमाई करने का कोई भ्रम नहीं पाला है। मुझे पता था कि बॉलीवुड को कोरोना के बाद फिर से पटरी पर लौटने के लिए दो साल लगेंगे। वहीं, संजय गुप्ता का प्रोडक्शन हाउस तीन और फिल्मों बना रहा, जो भी ओटीटी पर रिलीज होंगी।

दृश्यम 2 का तहलका, जारी है भेड़िया की ठीक-ठाक कमाई

अजय देवगन की 'दृश्यम 2' और वरुण धवन की 'भेड़िया', इस वक्त हिंदी सिनेमा की ये दोनों फिल्में सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। लेकिन, पसंद की बात करें तो दर्शकों को भेड़िया के मुकाबले 'दृश्यम' का दूसरा पार्ट ज्यादा बेहतर लग रहा है। ऐसा हम नहीं बल्कि दोनों फिल्मों का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कह रहा है। एक तरफ, 'दृश्यम 2' दूसरे हफ्ते में भी पांच करोड़ रुपये तक का कलेक्शन कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ, 'भेड़िया' की कमाई में गिरावट देखने को मिल रही है। आइए जानते हैं मंगलवार को किस फिल्म ने कितने करोड़ का कलेक्शन किया है।

दृश्यम 2:- बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 2' बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। आलम यह रहा कि अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म महज 12 दिन में 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। हालांकि, वीकडेज में फिल्म की कमाई में मामूली गिरावट भी देखने को मिली है। एक तरफ जहां 'दृश्यम 2' ने सोमवार को 5.44 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वहीं, दूसरी तरफ अजय देवगन की फिल्म ने मंगलवार को 5 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 154.34 करोड़ रुपये जा पहुंचा है।

भेड़िया:- वरुण धवन और कृति सेनन की फिल्म 'भेड़िया' बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कमाई कर रही है। 60 करोड़ रुपये के बजट में तैयार हुई इस फिल्म ने अब तक अपनी लागत का 61.5 फीसदी कमा लिया है। हालांकि, फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। एक तरफ फिल्म ने रविवार को तकरीबन 11 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं, दूसरी तरफ, सोमवार को फिल्म ने चार करोड़ रुपये का कारोबार किया।

चीकू के रोजाना सेवन से मिलते हैं 5 जबरदस्त फायदे

चीकू एक ऐसा फल है जिसमें ढेर सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसमें फाइबर और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण अधिक मात्रा में होते हैं, जिनसे पाचन क्रिया, सूजन और जोड़ों के दर्द में मदद मिलती है। इसके अलावा यह आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली और आंत के स्वास्थ्य को भी बेहतर रखता है। आइए आज आपको चीकू के रोजाना सेवन से होने वाले पांच बड़े फायदों के बारे में बताते हैं।

ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने में है मददगार

कैलोरी और ग्लूकोज से भरपूर चीकू आपकी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने में काफी मदद करता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट के अलावा फ्रूक्टोज और सुक्रोज नामक प्राकृतिक शुगर होते हैं जो शरीर को ऊर्जा देने का काम करते हैं। इनकी मदद से पाचन क्रिया ठीक रहती है और यह आसानी से अवशोषित हो जाते हैं, जिससे आपको तुरंत ऊर्जा मिलती है। ज्यादा एक्सरसाइज करने के लिए आप वर्कआउट से पहले चीकू का सेवन कर सकते हैं।

त्वचा के लिए है लाभदायक

चीकू में खनिज, एंटी-ऑक्सीडेंट, फाइबर और विटामिन ए, सी, ई और के मौजूद होते हैं। एंटी-ऑक्सीडेंट में एंटी-एजिंग गुण होते हैं जो त्वचा की कोशिकाओं को जीवंत और हाइड्रेटेड रखते हैं। इसके अलावा यह शरीर में फ्री रेडिकल्स को खत्म करते हैं, जिससे झुर्रियां और महीन रेखाओं को रोका जा सकता है। चीकू के बीज में गुठली का तेल होता है जो त्वचा की सूजन को कम करता है।

ब्लड प्रेशर को कम करने में भी सहायक

चीकू में मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम सोडियम के स्तर को कम करने में मदद करते हैं और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा देते हैं। इसके साथ ही ये ब्लड प्रेशर के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करते हैं। चीकू के सेवन से दिल संबंधी समस्याओं जैसे स्ट्रोक और दिल के दौरे के जोखिम को रोकने में भी मदद मिलती है। चीकू आयरन से भी भरपूर होता है जो एनीमिया के विकास के जोखिम को रोकता है।

चीकू में होते हैं एंटी-कैंसर गुण

चीकू में एंटी-कैंसर गुण भी होते हैं जो कई तरह के कैंसर से बचाते हैं। इसमें मौजूद विटामिन ए और बी शरीर की कई म्यूकस लाइनिंग को बनाए रखने में मदद करती हैं जिससे मुंह और फेफड़ों के कैंसर का खतरा कम होता है। वहीं इसके फूल के अर्क को ब्रेस्ट कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने में मददगार माना जाता है। इसके मेथनॉलिक अर्क से कैंसर के ट्यूमर के विकास के जोखिम को कम किया जा सकता है।

हड्डियों के लिए भी है बेहद लाभकारी

हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम, फॉस्फोरस और आयरन काफी अहम पोषक तत्व माने जाते हैं। ऐसे में इन तीनों पोषक तत्वों से भरपूर चीकू हड्डियों को मजबूत बनाकर उन्हें लाभ पहुंचा सकता है। चीकू में कॉपर की मात्रा भी पाई जाती है जो हड्डियों, कनेक्टिव टिश्यू और मांसपेशियों के लिए जरूरी होता है। इसके साथ ही यह बुढ़ापे के कारण हड्डियों को होने वाले नुकसान से बचाने में भी सहायक होता है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

1 दिसंबर को जिले में होगा पैरादान महाअभियान

सारंगढ़-बिलाईगढ़। किसानों को पैरादान से जोडने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल लगातार प्रयास कर रहे है। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ फरिहा आलम सिद्दकी के निर्देशन में शासन की बहुआयामी गोधन न्याय योजना के तहत जिले के समस्त गौठानों में 1 दिसंबर को पैरादान महाअभियान का सूत्रपात किया जाएगा। जिसके तहत अधिक से अधिक मात्रा में गौठानों में पैरादान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जिले में धान कटाई का दौर अब तेज हो गया है। ऐसे में कटाई के बाद बचने वाले पैरा को जलाने के बजाय गौठानों में दान करने के लिए प्रदेश सरकार के द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि अभी भी किसानों द्वारा लगातार पैरादान की प्रक्रिया जारी है, किसानों में पैरादान को लेकर अब जागरूकता भी देखने को मिल रही है, लेकिन इस अभियान को और अधिक गति देने के लिए पैरादान महाअभियान किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में किसानों द्वारा खरीफ की फसल के बाद रबी की फसल के लिए पराली (पैरा) को जलाने से पर्यावरण एवं भूमि की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंचता है।

विभिन्न ग्रामों में आयोजित राजस्व शिविर में 455 प्रकरण हुए निराकृत

मुंगेली। कलेक्टर राहुल देव के निर्देशानुसार जिले के सभी तहसीलों के विभिन्न ग्रामों में 28 नवम्बर से राजस्व शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें राजस्व अमलों द्वारा शिविर में प्राप्त प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण कर आमजनों को राहत पहुँचाई जा रही है। संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मेनका प्रधान ने बताया कि राजस्व शिविर के दूसरे दिन आज ग्राम भस्करा, रहंगी, तेलीखाम्ही, डिंडौरी, कारीडोंगरी, खपरीकला, सिलतरा, सेंदरी, मुण्डादेवरी, मोहभट्ठा, देवरी, कपुवा, सोढ़ी (नि), पुछेली, किरना और डिघोरा सहित अन्य ग्रामों में राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। जहाँ पौती, नामांतरण, सीमांकन, किसान-किताब, धान खरीदी से संबंधित रकबा संशोधन, आय, जाति, निवास, आर.बी.सी. 6-4, डिजिटल हस्ताक्षर, अभिलेख में त्रुटि सुधार आदि के 493 प्रकरण प्राप्त हुए जिसमें से 455 प्रकरण का मौके पर ही निराकरण किया गया।

जिम्मेदार मीडिया संगठनों के लिए जनता का विश्वास बनाए रखना ही सर्वोच्च मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज कहा कि प्रामाणिक जानकारी प्रस्तुत करना मीडिया की सबसे प्रमुख जिम्मेदारी है और उसे तथ्यों को सार्वजनिक क्षेत्र में डालने से पहले ठीक तरह से जांच कर लेनी चाहिए। एशिया-पैसिफिक ब्रॉडकास्टिंग यूनियन जनरल असेंबली 2022 के उद्घाटन समारोह में संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिस गति से सूचना को प्रसारित किया जाता है वह काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन सटीकता इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है और यह बात संचारकों के मस्तिष्कह में मुख्यट रूप से होनी चाहिए। उन्होंयने कहा कि सोशल मीडिया के प्रसार के साथ-साथ ही फर्जी खबरों का भी प्रसार हुआ है। इसके लिए उन्होंने एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रसारकों के दर्शकों को बताया कि गैर-सत्यापित दावों से निपटने और जनता के सामने सच्चाई प्रस्तुरत करने के लिए भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय में फेक्ट चैक यूनिट की स्थापना की है। श्री ठाकुर ने इस बात पर जोर दिया कि जिम्मेदार मीडिया संगठनों के लिए जनता का विश्वास बनाए रखना भी सर्वोच्च मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए। उन्होंने सार्वजनिक प्रसारकों, दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो को हमेशा सच्चाई के साथ खड़े रहने और अपनी सत्यव और सटीक रिपोर्टिंग के लिए जनता का विश्वास जीतने के लिए श्रेय दिया। उन्होंने स्पयष्ट किया कि संकट के समय मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि तबन मीडिया की भूमिका सीधे तौर पर लोगों की जान बचाने से संबंधित हो जाती है और मीडिया राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजनाओं के मूल में है।

अनुराग ठाकुर ने कोविड-19 महामारी के दौरान घरों में फंसे लोगों की मदद करने के लिए आगे आने का श्रेय मीडिया को देते हुए कहा कि यह मीडिया ही था जिसने ऐसे लोगों को बाहरी दुनिया से जोड़े रखा।

उन्होंने दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो द्वारा विशेष रूप से किए गए बेहतर और शानदार तथा भारतीय मीडिया द्वारा आमतौर पर किए गए महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में दर्शकों को सूचित करते हुए कहा कि दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो ने सार्वजनिक सेवा जारी रखते हुए बहुत ही संतोषजनक ढंग से कार्य किया और ये महामारी के समय में लोगों के साथ मजबूती से खड़े रहे। उन्होंने कहा कि भारतीय मीडिया ने आम तौर पर यह सुनिश्चित किया कि कोविड-19 जागरूकता संदेश, महत्वपूर्ण सरकारी दिशानिर्देश और डॉक्टरों के साथ मुफ्त ऑनलाइन परामर्श के बारे में जानकारी देश के कोने-कोने तक पहुंच सके।

उन्होंने कहा कि प्रसार भारती ने सौ से अधिक सदस्य कोविड-19 में खो दिए, लेकिन इसके बावजूद भी इस संगठन अपनी सार्वजनिक सेवा को आगे बढ़ाना जारी रखा। श्री ठाकुर ने मीडिया को शासन में भागीदार बनने का निमंत्रण दिया।

केन्द्रीय संचार ब्यूरो, भारत सरकार की दो दिवसीय मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी का चंपारण में भव्य शुभारंभ

आजाद भारत में हमारी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है ईमानदारी से निभाना हमारा कर्तव्य है: सुनील सोनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (पीआईबी)। आजाद भारत में हमारी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, ईमानदारी से निभाना हमारा कर्तव्य है औरयही आजादी के अमृत महोत्सव की सार्थकता भी है । यह बात रायपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद,सुनील सोनी नेआज, 29 नवम्बर, 2022 कोकेन्द्रीय संचार ब्यूरो, प्रादेशिक कार्यालय, रायपुर द्वारा महाप्रभु वल्लभाचार्य की प्रकट स्थली चंपारण में आयोजित'आजादी का अमृत महोत्सव: एक भारत श्रेष्ठ भारत' विषयक दो दिवसीय मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर कही ।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रानी पटेल, चंपारण की सरपंच श्रीमती राधिका ध्रुव, स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय रुपधर दीवान के सुपुत्र और सेवानिवृत्त शिक्षक भगवान धर दीवान तथा धनेंद्र चंद्राकर उपस्थित रहे। शुभारम्भ अवसर पर सांसद सुनील सोनी ने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि अनेक ज्ञात अज्ञात सेनानियों के बलिदान के परिणामस्वरूप प्राप्त इस आजादी को अक्षुण्ण रखने के लिए सभी को अपनी अपनी भूमिका ईमानदारी से निभानी पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि रुस यूक्रेन युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में तेईस हजार से अधिक देशवासियों को सुरक्षित देश में लाना इस बात का प्रतीक है कि हमारा देश विकसित हो चुका है। इससे पूर्व केंद्रीय संचार ब्यूरो के कार्यालय प्रमुख शैलेष फाये ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित जिला पंचायत सदस्य,सुश्री रानी पटेल ने उपस्थित जनसमूह को विस्तार से जानकारी दी कि किस तरह भारत सरकार देशवासियों के कल्याण हेतु व्यक्ति के जन्म से लेकर अंत तक से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है।

इस मौक पर एक भारत श्रेष्ठ भारत विषय परआयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में40 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावाजागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया जिसे अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।कार्यक्रम स्थल पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषाहार प्रदर्शनी लगाई गई है। कल, 30 नवम्बर, 2022 को कार्यक्रम के अंतिम दिन, निबंध, भाषण और गुजराती व्यंजन प्रतियोगिताओं काआयोजनकिया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे ।

नामांतरण, बंटवारा के बाद बिना देरी अपडेट करें रिकॉर्ड - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने सभी राजस्व अधिकारियों को रिकॉर्ड अपडेशन करने के निर्देश समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में दिए है। आज रेडक्रास सभाकक्ष में हुई इस बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में डॉ भुरे ने जमीनों के नामांतरण, बंटवारा आदि के बाद तत्काल बिना देर किए राजस्व रिकॉर्ड अपडेट करने के निर्देश एस.डी.एम सहित सभी तहसीलदारों और राजस्व अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने बताया कि अब राजस्व रिकॉर्ड अपडेशन का काम साफ्टवेयर के जरिए राजस्व अधिकारी कर सकते है। राजस्व प्रकरणों के निराकरण के तत्काल बाद साफ्टवेयर में रिकॉर्ड दुरूस्तीकरण के लिए सभी राजस्व अधिकारियों को अलग-अलग आई-डी और पासवार्ड भी दिया जा चुका है। राजस्व प्रकरण में आदेश जारी करते ही अधिकारी तत्काल रिकॉर्ड को भी दुरूस्त कर दे। डॉ भुरे ने अवैध प्लांटिंग पर लगातार कार्रवाई करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने सभी विभागों के मैदानी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्धारित मुख्यालय में रहकर शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के निर्देश भी बैठक में दिए। बैठक में जिला पंचायत की सी.ई.ओ आकाश छिकारा, नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, सहायक कलेक्टर जयंत नहाटा सहित सभी राजस्व अधिकारी एवं विभागीय प्रमुख भी मौजुद रहे।

मत्स्य निरीक्षक को कारण बताओं नोटिस- बैठक में कलेक्टर ने मछली पालन विभाग द्वारा जिले में संचालित कार्यकर्मो और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जिले के लगभग 70 गौठानों में मछली पालन के लिए उपलब्ध तालाबों-डबरियों में मछली पालनें के लिए स्व-सहायता समूहों को सभी जरूरी मदद और मार्गदर्शन देने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने अभनपुर विकासखंड के जवईबांधा गौठान में मछली पालन के लिए मत्स्य निरीक्षक द्वारा निरीक्षण नहीं करने और स्थानीय समूह को किसी प्रकार की शासकीय मदद और मार्गदर्शन नही देने के लिए कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। डॉ भुरे ने तालाब वाले गौठानों का नियमित निरीक्षण करने और अधिक से अधिक ग्रामीणों को मछली पालन से जोड़ने के लिए शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

गर्म कपड़े पाकर खिल उठे गरीब बच्चों के चेहरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। समाजसेवा के जरिये गरीबों के दिलों मे अपनी अलग जगह बनाने वाली जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग ने ठण्ड आते ही गरीब बच्चों को ठण्ड से बचाने के लिए नये स्वेटर एवं नये जैकेट वितरण करने का काम शुरू कर दिया है। जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग के युवाओं ने ठण्ड से गरीब बच्चों को बचाने के लिए नये गर्म जैकेट का वितरण किया।

उल्लेखनीय है कि जरूरतमंदों को भोजन, कम्बल, बैशाखी, व्हीलचेयर, ट्रायसिकल, नये कपड़े, एवं अन्य जरूरत की सामग्री नि:शुल्क वितरण करने वाली जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग हर वर्ष ठण्ड के दौरान गरीब बच्चों को नये गर्म कपड़े एवं सभी जरूरतमंदों को कम्बल मुहैया कराती है। गौरतलब है कि यह संस्था समाजसेवा के जरिये तमाम ऐसे नेक काम करते आ रही हैं जिसके चलते संस्था ने गरीबों के दिल में अपनी अलग जगह बना ली है। जन समर्पण संस्था पिछले 6 वर्ष से प्रतिदिन बिना रुके बिना नागा किये गरीबों, जरूरतमंदों की सहायता के लिए कार्य कर रही है। मेधावी गरीब बच्चों की फीस भरने, पशु पक्षियों के प्यासे कंठों को तर करने एवं बढ़-चढ़कर गरीबों की सहायता करती है। दीन- दुखियों की सहायता करने के लिए जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग के सभी कर्मठ सदस्य हमेशा तत्पर रहते हैं। इसी तरह के अनेकों कार्य करके जन आस्था लोगों के दिलों मे बसते जा रही हैं। जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि गरीबों की मदद करके उन्हें बहुत सकून मिलता है। साथ ही उन्होनें समाज के सक्षम लोगों से आव्हान किया कि गरीबों की मदद करने के लिए आगे आकर अपने कदम बढ़ाये। जिससे गरीबों के कुछ राहत मिल सके और उनके चेहरे पर भी मुस्कुराहट दिखाई दे। बंटी शर्मा ने बताया कि गर्मी का मौसम का गरीब बच्चे जैसे तैसे सामना कर लेते हैं लेकिन ठण्ड के मौसम से लडना आसान नहीं होता है। बड़े तो जैसे-तैसे अपना काम चला लेते हैं लेकिन छोटे बच्चों को बेहद दिक्कतें होती है। ऐसी स्थिति में जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग द्वारा बच्चों को नये स्वेटर एवं जैकेट देकर नेक कार्य करने का प्रयास किया है। संस्था द्वारा सोमवार दिनाँक 28 नवम्बर से जिले के विभिन्न फुटपाथों में जीवन यापन करने वाले सभी जरूरतमंदों को ठंड से बचने के लिए स्वेटर जैकेट का वितरण प्रारंभ किया गया है, जिसमे प्रथम दिवस लगभग 36 बच्चों नये जैकेट एवं स्वेटर का वितरण किया गया है संस्था के सदस्य प्रतिदिन रात्रि जरूरतमंदों को भोजन वितरण करने के पश्चात टोली बनाकर प्रतिदिन अलग अलग स्थानों में जाकर फुटपात में सोने वाले बच्चों को नया स्वेटर एवं जैकेट वितरण कर रहे है वर्तमान में दिनाँक 1 दिसंबर तक जिले के सभी फुटपाथों में पहुँचकर हर जरुरतमंद बच्चों तक गर्म कपड़े पहुँचने का प्रयास कर रहे है, संस्था के सदस्य आशीष मेश्राम ने बताया कि वर्तमान में सभी जरूरतमंद गरीब बच्चों को ठंड से बचने के लिए नया स्वेटर, नया जैकेट वितरण करने के पश्चात दिनाँक 1 दिसम्बर से गरीब, असहाय जरूरतमंदों को कम्बल वितरण करने का कार्य प्रारंभ किया जावेगा, इस सेवा कार्य मे संस्था के संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी, आशीष मेश्राम, शिशु शुक्ला, अर्जित शुक्ला, प्रकाश कश्यप, राजेन्द्र ताम्रकार, दद्दू ढीमर, हरीश ढीमर, संजय सेन, मृदुल गुप्ता, अख्तर खान, मोहित पुरोहित, रिषी गुप्ता, समीर खान, बिट्टू खान, मुकेश यादव, आकाश राजपूत, भागवत पटेल, एवं संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

विभिन्न गौठानों में वृहद स्तर पर आयोजित हुआ 'गौठान म गोठ' कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम सिद्दकी के निर्देशानुसार आज जिले के गौठानों में 'गौठान म गोठ' कार्यक्रम के तहत विकास खंड सारंगढ के 16 गौठान, बरमकेला में 17 गौठान तथा विकास खंड बिलाईगढ़ में 13 गौठानों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में गोधन न्याय योजना के तहत गोबर विक्रेताओं में जागरूकता, गोठान में अधिक गोबर विक्रय, गोबर का खाद में रूपान्तरण, अधिक से अधिक गोठानों में पैरा दान करने हेतु प्रेरित किया गया।

गोमूत्र खरीदी कर जैविक कीटनाशक निर्माण प्रशिक्षण तथा उपयोग से होने वाले लाभ की जानकारी दी गई। साथ में गांव से जुड़ी अन्य गतिविधियों में पशुओं का टीकाकरण, रबी फसल, दलहन-तिलहन क्षेत्र विस्तार एवं ग्राम पंचायत में अन्य सभी योजनाओं की जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम के सुगमता पूर्वक संचालन हेतु कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम सिद्दकी द्वारा विकास खंड स्तरीय अधिकारियों को गौठान का नोडल नियुक्त किया गया है जो विभिन्न गौठानों में मॉनिटरिंग करेंगे तथा प्रत्येक गौठान हेतु ग्रामीण कृषि विस्तर अधिकारी को गौठान नोडल तथा ग्राम सचिव को सहायक नोडल नियुक्त किया गया है तथा स्वयं कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर द्वारा गौठानों में आकस्मिक निरीक्षण कर मॉनिटरिंग किया जा रहा है। इसके अलावा बहुत से गौठानों में स्वास्थ्य विभाग की सहायता से नि:शुल्क मेडिकल कैम्प का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें उपस्थित स्वास्थ्य विभाग की टीम सुगर, बीपी, खून जांच आदि समस्याओं का निदान कर रही है। इस शिविर का लाभ सीधे निचले स्तर तक ग्रामीणों को मिल रहा है।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शिवानी रोहित पिता कुलदीपक मेहता निवासी 60, जोन -1, स्ट्रीट 2 डी, दिनकर पथ, न्यू आदर्श नगर, दुर्ग (छ.ग.) यह शपथ करती हूं कि मैंने अपने पुराने नाम को त्याग कर नया नाम डॉ. शिवानी मेहता पिता कुलदीपक मेहता रख ली हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम डॉ. शिवानी मेहता पिता कुलदीपक मेहता के नाम से ही जाना पहचाना जावे।

डॉ. शिवानी मेहता
60, जोन -1, स्ट्रीट 2
डी, दिनकर पथ, न्यू
आदर्श नगर, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्य प्राप्त करने तेज गति से काम करें अफसर- कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। कलेक्टर सौरभकुमार ने आज यहां मंथन सभाकक्ष में टीएल मीटिंग में राज्य सरकार की फ्लैगशीप योजनाओं एवं लंबित मामलों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए और तेज गति से काम कर लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को धान खरीदी केन्द्रों का नियमित दौरा कर मॉनिटरिंग करने को कहा है। उन्होंने कहा कि धान बेचने आये किसानों को कोई दिक्कत न हो, इसे देखें। रकबा त्रुटि में सुधार के लिए लगभग 1200 मामले बचे हैं। इनका भी जल्द से जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बैठक में बताया कि गोठानों में पशुओं को खिलाने के लिए 702 ट्राली पैरा का संग्रहण किया जा चुका है। 65 हजार टन से ज्यादा धान की आवक खरीदी केन्द्रों में दर्ज की जा चुकी है जो कि जिले की अनुमानित लक्ष्य का 16 प्रतिशत है। कलेक्टर ने कहा कि बिलासपुर में भी 1 दिसम्बर से 21 दिसम्बर तक राज्यव्यापी सघन टीबी एवं कुष्ठ खोज अभियान संचालित किया जायेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आपसी तालमेल के साथ इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कर शंकास्पद रोगियों की पहचान करने को कहा है। चिन्हित रोगियों की पहचान छुपाकर उनका नि:शुल्क इलाज सरकार द्वारा किया जायेगा।

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshi1 ga1gotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

छात्रा से छेड़छाड़ करने वाला हेड मास्टर गिरफ्तार

कोंडागांव (ए)। जिले में स्थित एक स्कूल के हेड मास्टर ने छात्रा के साथ छेड़छाड़ की है। छात्रा के शरीर के विभिन्न अंगों को गलत इरादे से अश्लील तरीके से छूआ था। मामले की शिकायत के बाद आरोपी हेड मास्टर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मामला मर्दापाल थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मामला 27 नवंबर का है। जब जिले के मर्दापाल इलाके में स्थित एक स्कूल के हेड मास्टर ने स्कूल में पढ़ने वाली छात्रा के साथ छेड़छाड़ की है। बताया जा रहा है कि, हेड मास्टर हनु राम बघेल (53) ने क्लास रूम के बाहर छात्रा को बुलाया। फिर बातों-बातों में ही छात्रा के शरीर को गलत तरीके से छूने लगा। छात्रा के मना करने पर भी वह नहीं माना।

हेड मास्टर की हरकत देख छात्रा घबरा कर वहां से भाग गई थी। उसके बावजूद हेड मास्टर छात्रा को रोकने की कोशिश कर रहा था। उधर, शाम को स्कूल से छुट्टी होने के बाद जब घर लौटी तो उसने इस बात की जानकारी अपने परिजनों को दी।

डरी सहमी छात्रा ने हेड मास्टर की एक-एक हरकत को घरवालों को बताई। फिर परिजनों ने कोंडागांव BEO को लिखित में आवेदन दिया। पहले इस मामले की विभागीय जांच की गई। जिसमें तथ्य सही पाए गए।

फौजी ने जेल से छूटते ही रेप पीड़िता को दी धमकी

जांजगीर (ए)। दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार फौजी जमानत पर छूटने के बाद पीड़िता के घर पहुंच गया और उसके परिजनों को गवाही देने पर जान से मारने की धमकी देकर लौट आया। इसके बाद भी आरोपी फौजी अलग-अलग मोबाइल नंबर से पीड़िता के मोबाइल पर कॉल कर गाली गलौज करने लगा। इसकी शिकायत पीड़िता ने की है, पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी फौजी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के अनुसार चांपा थाना अंतर्गत कुरदा का रिंकू बरेठ थल सेना में आरक्षक था। अप्रैल 2021 में एक शादी समारोह में उसकी मुलाकात पामगढ़ थाना क्षेत्र की एक युवती के साथ हुई थी। जिसके बाद रिंकू ने युवती को शादी का झांसा दिया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म करता रहा। साल भर गुजर जाने के बाद रिंकू बरेठ शादी करने से मुकर गया था।

महादेव बुक आईडी का एक और सट्टा किंग पुलिस की गिरफ्त में

परिवार से न मिल पाने के दबाव में किया सरेंडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में चल रहे महादेव एप्प द्वारा सट्टा खेलने पर पुलिस की लगातार हो रही कार्रवाई के बाद अब दुर्ग पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इस महादेव बुक आईडी का एक बड़ा सट्टा किंग सतनाम सिंह पुलिस की गिरफ्त में आ चुका है। मंगलवार शाम एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने सतनाम सिंह को मीडिया के सामने पेश किया। महादेव बुक आईडी पर पुलिस अधीक्षक दुर्ग, डॉ. अभिषेक पल्लव लगातार निगरानी रखे हुए है इसी कड़ी में आज बड़ी सफलता हाथ लगी है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय ध्रुव, नगर पुलिस अधीक्षक (भिलाई नगर) निखिल राखेचा व उप पुलिस अधीक्षक (क्राईम) नसर सिद्धीकी के मार्ग दर्शन में आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। थाना प्रभारी सुपेला निरीक्षक दुर्गेश शर्मा, प्रभारी एण्टी क्राईम एवं सायबर युनिट निरीक्षक संतोष मिश्रा, व चौकी प्रभारी स्मृति नगर उप निरीक्षक युवराज देशमुख की संयुक्त टीम ने 22 अक्टूबर को हाउसिंग बोर्ड कालोनी कोहका में

अवैध रूप से महादेव एप्प में लैपटॉप एवं मोबाईल के माध्यम से बैंक खाता के माध्यम से ऑन लाईन पैसे का लेन देन करते हुए सट्टा खिलाने की सूचना पर रेड कार्रवाई की थी। जिसमें आरोपी मुकेश कुमार , दीपक एवं श्रीकांत को गिरफ्तार किया गया था।

प्रकरण में आरोपियों से पूछताछ करने पर जामुल निवासी नसीमुद्दीन उर्फ नसीम व शांति नगर निवासी सतनाम सिंह की भी संलिप्तता प्रकरण में होने की जानकारी मिली थी। जिससे चौकी स्मृति नगर में अपराध क्रमांक 1030/2022 धारा 4 (क) सार्वजनिक धूत अधिनियम पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था, फरार आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी दिनांक 15.11.2022 को फरार नसीमुद्दीन उर्फ नसीम गिरफ्तार किया जा चुका है। सतनाम सिंह की पतासाजी दुर्ग पुलिस द्वारा लगातार देश के विभिन्न राज्यों में दबिश देकर पता तलाश किया जा रहा था जिससे आरोपी सतनाम सिंह लगातार स्थान परिवर्तन करने अपने परिवार से मिलने जुलने ना आ पाने से अत्यधिक परेशान हो गया था जिसके परिणाम स्वरूप पुलिस के अत्यंत दबाव के कारण आरोपी सतनाम सिंह दुर्ग पुलिस के समक्ष सरेंडर करने के लिए विवश हो गया। आरोपी के कब्जे से 02 नग मोबाईल फोन बरामद कर जप्त किया गया है। अग्रिम कार्यावाही चौकी स्मृति नगर से की जा रही है।

सरकारी राशन दुकान में सेंधमारी करने वाले दो शातिर पकड़ाए

जशपुर। छत्तीसगढ़ में चोर भी कमाल के हैं। रुपए पैसा, जेवर तक तो ठीक था अब सरकारी राशन दुकान से अनाज तक चुना ले जा रहे हैं। ऐसी ही एक चोरी का मामला जशपुर जिले के सुरेशपुर गांव में सामने आया है। शातिर ने सरकारी पीडीएस की दुकान से 79 बोरी चावल, 16 बोरी चना व 9 बोरी शक्कर पार कर दिया। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है। राशन दुकान के केयरटेकर की शिकायत पर पत्थलगांव पुलिस ने अपराध दर्ज किया। घटना के तीसरे मंगलवार को इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार चोरी की शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम चिकनीपानी निवासी धरमसाय नागवंशी के घर चना और शक्कर के बोरे रखे हुए हैं। इसके बाद पुलिस ने धरमसाय के घर पर दबिश दी। घर पर 16 बोरी चना व एक बोरी शक्कर बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो आरोपी ने पूरा सच उगल दिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने पीडीएस से 79 बोरी चावल, 16 बोरी चना व 9 बोरी शक्कर चुराया था। चावल को यहां के अनाज व्यापारी कैलाश अग्रवाल को 40000 रुपए में बेच दिया। इसके बाद पुलिस टीम ने कैलाश अग्रवाल के दुकान में दबिश दी और उसके गोदाम से 79 बोरी चावल जब्त किया। यही नहीं आरोपी ने बताया कि उसने यह चोरी जोराडोल छुटकीपारा निवासी मो हफिज के साथ मिलकर की थी। इसके लिए धरमसाय के पिकअप वाहन और हफिज के कार का इस्तेमाल किया गया।

न्यायालय कलेक्टर एवं भू-अर्जन अधिकारी जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

सार्वजनिक सूचना

प्रीरूप "क"

राज्य शासन के विभाग – कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग बेमेतरा संभाग बेमेतरा उपसंभाग साजा के अंतर्गत जिला बेमेतरा के साजा सोमईकला चिल्फी बेंदरची रणवीरपुर मार्ग लंबाई 13.15 किमी. का निर्माण कार्य प्र.ह.नं.– 18, ग्राम बेंदरची, रा.नि.मं. साजा, वि.खं.– साजा जिला बेमेतरा (छ.ग.) की आवश्यकता होने से राज्य शासन विभाग निम्नांकित कृषक की भूमि आपसी सहमति से क्रय नीति 2016 के तहत क्रय करना चाहता है ।

स. क्र.	भू–स्वामी का नाम व पिता व पति का नाम	क्रय करने हेतु प्रस्तावित भूमि का विवरण		
		ख.नं.	हेक्टे. में	वर्ग मी. में
1	2	3	4	5
1	सामबाई/रजवा	138	0.0090	90.00
2	रंजन कुमार/ तिजऊ	132	0.0102	102.00
3	दीपक ना.बा. हेमचंद वगै.	252/1	0.0042	42.00
4	जितेंद्र/सरजू	252/2	0.0054	54.00
5	मोहनलाल/ श्यामलाल वगै.	141	0.0080	80.00
6	खेलन/भारत	168	0.0240	240.00
7	परेटन/धूरऊ	251/2	0.0102	102.00
8	देवकुमार/घुरऊ	251/1	0.0120	120.00
9	गौतरिहा/ परसराम	169	0.0272	272.00
		162	0.0072	72.00
10	खेलावन/ श्यामरतन वगै.	163/1	0.0216	216.00
			0.0048	48.00
		171	0.0200	200.00
11	जनार्दन सिंह/ लखन सिंह	175/1	0.1064	1064.00
		170	0.1300	1300.00
12	मानचंद/अघनू	175/3	0.0360	360.00
13	धनसिंह/बल्दू	161/4	0.0224	224.00
14	केजूराम/ सुशीला	158/1	0.0112	112.00
15	बिरझू/अर्जुन	158/2	0.0128	128.00
16	मोहन/पल्टूराम वगै.	155	0.0480	480.00
		174	0.0174	174.00
17	राजकुमार/ जगरतन	172	0.0200	200.00

यदि किसी व्यक्ति या संस्था को क्रय–विक्रय या स्वत्व में कोई आपत्ति हो तो वह आधारों एवं सुसंगत दस्तावेजों सहित लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 07.12.2022 तक इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 02/11/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया ।

कलेक्टर एवं भू-अर्जन अधिकारी
जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

जी-96209/2

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2022/516/339 — भिलाई, दिनांक 28/11/2022

// स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना //

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकार्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा:–

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	श्रीमती प्रभारानी साहू ध.प. श्री रविन्द्र कुमार साहू, निवासी–शारदा पारा, साहू लकडी टाल, केम्प 02 भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	राजीव सिंह, आत्मज श्री चन्द्रशेखर सिंह, निवासी– गायत्री आटा चक्की के पास,स्टील नगर,केम्प 01 भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कुरुद वार्ड क्रमांक 16 कैलाश नगर अंदर भाग भिलाई खसरा नं. 1561/114, प्लाट न. बी, रकबा–600 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
2	श्री महादेव प्रसाद दीक्षित आत्मज स्व.श्री शीतल प्रसाद दीक्षित, निवासी– दीक्षित कालोनी कोसा नगर भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्री आडारी बाला वेंकट महेश आत्मज आडारी अप्पाराव निवासी वार्ड न. 02 गौरी किराना स्टोर्स कोसा नगर भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोसानगर दीक्षित कालोनी (वार्ड न. 02 कोसा नगर वार्ड) भिलाई खसरा न. 1/4/4,, रकबा–1800 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
3	श्री महादेव प्रसाद दीक्षित आत्मज स्व.श्री शीतल प्रसाद दीक्षित, निवासी– दीक्षित कालोनी कोसा नगर भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्री आडारी माल नायडू, आत्मज आडारी अप्पाराव निवासी वार्ड न. 02 गौरी किराना स्टोर्स कोसा नगर भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोसानगर दीक्षित कालोनी (वार्ड न. 02 कोसा नगर वार्ड) भिलाई खसरा न. 1/4/6, रकबा–1800 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
4	श्री आर.व्ही केलकर, (रत्नाकर विट्ठल केलकर) आ0 स्व. व्ही.जी. केलकर, (विट्ठल गंगाधर केलकर) निवासी– प्लाट न.– 43, शिवाजी नगर कोहका, सुपेला भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्री अरुण केशव बेड़ेकर, आ0 स्व. के.बी. बेड़ेकर, निवासी– मकान न. 206, मुधरिसा हाईट्स, मैत्री नगर रिसाली भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका पुरानी बस्ती वार्ड क्र.09 शिवाजी नगर अंदर भाग, भिलाई खसरा नं. 2701, मकान नं. 43, रकबा–2400 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
5	श्रीमती प्रेमलता तिवारी पति श्री गोपाल तिवारी, निवासी–एल.बी./29,वार्ड 17 पदुम नगर भिलाई 03 चरोदा, तह. पाटन, जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती कनु शर्मा, पति श्री कपिल देव शर्मा, निवासी–मकान न. एस.डी.–87, फेस–4,आशीयाना कॉम्प्लेक्स के पास कबीर नगर टाटीबंध रायपुर, तहसील व जिला– रायपुर (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका (वार्ड न. 10 शांति नगर वार्ड के शांति नगर कालोनी अंदर भाग) भिलाई, खसरा न. 5292/6, प्लाट न. 02, रकबा–1325 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
6	श्री धीरेन्द्र प्रसाद पांण्डेय (HUF) आत्मज श्री धनेश्वर प्रसाद पाण्डेय, निवासी– सरकारी हाई स्कूल के पास, पाण्डेय निवास कोहका भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमी राम परी गुप्ताध.प. श्री राजू जायसवाल एवं वंशीका जायसवाल आ0 श्री राजू जायसवाल, निवासी–270, वार्डन. 22, जे.पी. नगर , केम्प– 02 सेक्टर– 01 भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कुरुद वार्ड न. 16, ढांचा भवन हाउसिंग बोर्ड से लगा हुआ अंदर भाग भिलाई खसरा न. 1400/41, प्लाट न. 12 का भाग एवं 13 का भाग, रकबा–1000 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
7	श्रीमती सुनीता देवी साह ध.प. श्री कपिल देव साह, निवासी–ई.डब्लू.एस. 400, हाउसिंग बोर्ड, औद्योगिक क्षेत्र भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती सुमित्रा नस्कर, ध.प. श्री उत्तम नस्कर, निवासी–संतोषी पारा केम्प–02, विवेकानंद नगर भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कुरूद, वार्ड नं0 14/16(कैलाश नगर अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं. 1606/103, रकबा–450 वर्गफीट्, आवासीय भवन निर्मित।
8	श्रीमती प्रफुल्ला शाह ध.प. श्री राजेश प्रवीण शाह, निवासी–17/18, मालवीय नगर, सिम्पलेक्स कॉलोनी, दुर्ग तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	करम जीत सिंह बेदी आ. स्व. दलजीत सिंह बेदी, निवासी–69/9, नेहरूनगर वेस्ट, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	मोतीलाल नेहरूनगर पश्चिम आवासीय योजना अंतर्गत, वार्ड नं. 03, कोसानगर अंतर्गत नेहरूनगर पश्चिम आवासीय परिसर अंतर्गत अंदर भाग, भिलाई, भूखण्ड क्रं. 07, ब्लाक नं. 67, 5810 वर्गफीट, रिक्त भूमि।
9	श्रीमती एम. ज्ञानचंद ध.प. श्री अमृत प्रकाश सिंह, निवासी–32, सरस्वती शिशु मंदिर के पास, ओल्ड नेहरूनगर भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	करम जीत सिंह बेदी आ. स्व. दलजीत सिंह बेदी, निवासी–69/9, नेहरूनगर, वेस्ट, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	मोतीलाल नेहरूनगर पश्चिम आवासीय योजना अंतर्गत, वार्ड नं. 03, कोसानगर, अंतर्गत नेहरू नगर पश्चिम आवासीय परिसर अंतर्गत अंदर भाग, भिलाई, भूखण्ड क्रं. 08, ब्लाक नं. 67, 5810.40 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
10	श्रीमती प्रतिमा देवी तिवारी, पति स्व. मोतीलाल तिवारी, निवासी–बंगला नं. 12, बत्तीस बंगला भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	1. श्रीमती श्वेता चौबे पति श्री पुनीत चौबे, 2. कु. सिद्धी चौबे आ. श्री पुनीत चौबे, 3. ना.बा. कु. काव्या चौबे आ. श्री पुनीत चौबे निवासी–बंगला नं. 12, बत्तीस बंगला भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	उत्तीयतनामा	वार्ड नं. 2, ए16/10, स्ट्रीट 10, स्मृतिनगर, भिलाई, खसरा नं. 572/241, रकबा–4000 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
11	"चौहान हाउसिंग"(चौहान ग्रीन वैली) आपेजिट चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई प्रोपराईटर– श्री अजय चौहान आ. स्व. श्री विपत(दीपेश्वर) चौहान, निवासी–राजीव नगर, भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्री मनोज कुमार शुक्ला, आ. श्री श्याम लाल शुक्ला, एवं श्रीमती सुषमिता शुक्ला ध.प. श्री मनोज कुमार शुक्ला, निवासी–फ्लैट नं. 09, ब्लॉक नं. ई/6, द्वितीय तल, चौहान हाउसिंग चौहान ग्रीन वैली, खम्हरिया, जुनवानी, भिलाई तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड 01,"चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली) अपोजिट–चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 09, ब्लाक–"E6", द्वितीय तल, 501.99 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित ।

उपायुक्त (संपत्तिकर)
नगर पालिक निगम
भिलाई

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

जोन आयुक्तों के क्षेत्रों में हुआ परिवर्तन

भिलाई। आयुक्त रोहित व्यास ने निगम के कार्यो में कसावट लाने निगम के जोन आयुक्तों के प्रभार में आंशिक फेरबदल करते हुए नवीन प्रभार के आदेश प्रसारित किये है। आयुक्त व्यास ने जारी आदेश में जोन क्रमांक-02 वैशाली नगर में पदस्थ पूजा पिल्ले को जोन क्रमांक-04 शिवाजी नगर खुर्सीपार में जोन आयुक्त का दायित्व सौंपा है। इसी प्रकार जोन क्रमांक-04 में पदस्थ जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा को जोन क्रमांक-03 मदर टेरेसा नगर में तथा जोन क्रमांक-03 में जोन आयुक्त की जिम्मेदारी निभा रहे सु येशा लहरे को जोन आयुक्त जोन क्रमांक-02 की जिम्मेदारी सौंपी है। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी को आयुक्त ने नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 69 (4) क प्रयोग करते हुए अपनी शक्तियों प्रत्यारोपित कर तृतीय एवं चतुर्थ कर्मचारियों के भविष्य निधि की अग्रिम राशि की स्वीकृति नियमित नियुक्ति उपरान्त सर्विस बुक का प्रमाणीकरण एवं हस्ताक्षर, शैक्षणिक एवं जाति प्रमाण पत्रों का सत्यापन हेतु अधिकृत करते हुए सर्व विभाग प्रमुख अधीक्षण अभियंता, जोन आयुक्त, सहायक अभियंता, उपअभियंता, सहायक राजस्व अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, स्वच्छता निरीक्षक के अलावा शेष कर्मचारियों की नस्तियों स्वतंत्र रूप से अर्जित अवकाश, आकस्मिक अवकाश, वेतन एवं अन्य भत्ते की स्वीकृति नियमानुसार प्रदान करने तथा सेवानिवृत्त एवं मृत अधिकारी कर्मचारियों के परिवार कल्याण, समूह बीमा दावा का भुगतान, अंतिम भुगतान के प्रकरण एवं पासबुक एवं संचालनालय के पत्र पर हस्ताक्षर करने के साथ ही अधिकारी कर्मचारी आकस्मिक मृत्यु उपरांत अनुग्रह राशि की स्वीकृति का दायित्व सौंपे है।

दूसरे राज्यों से धान आयात करने के लिए खाद्य विभाग से अनुमति अनिवार्य

दुर्ग। राईस मिलर्स, धान के व्यापारी एवं कमीशन एजेंट के द्वारा तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक अन्य राज्यों से लाने वाले धान को पूर्व अनुमति के बिना नही लाया जावेगा। संबंधित व्यवहारी द्वारा धान की अनुमति हेतु संचालक खाद्य एवं कलेक्टर, दुर्ग को आवेदन पत्र वांछित जानकारी (धान विक्रयकर्ता फर्म एवं व्यक्ति का नाम व पूरा पता, परिवहन मार्ग, आयात की जाने वाली धान की किस्म, प्रति क्विं. मूल्य संबंधी जानकारी तथा आयात किया जाने वाला धान जिस स्थान पर क्रय उपरांत भंडारित होगा की पूरी जानकारी आदि) के साथ प्रस्तुत किया जावेगा। संबंधित विभाग द्वारा इसका निराकरण अधिकतम सात दिन के भीतर किया जावेगा।

रोमन पार्क में प्रशिक्षु आयुक्त आईएएस लक्ष्मण तिवारी की दबिश

दुर्ग। नगर निगम सीमा अंतर्गत शिवनाथ नदी के निकट हॉटल रोमन पार्क में प्रशिक्षु आयुक्त आईएएस लक्ष्मण तिवारी अधिकारियों के साथ औचक जांच करने पहुँचे। उन्होने हॉटल रोमन पार्क के संचालक से संपूर्ण दस्तावेज दिखाने के लिए कहा, आयुक्त ने कागजातो की जांच की। बिल्डिंग परमिशन भवन परमिशन, नगर निगम टैक्स, लायसेंस, गुमास्ता सहित रेस्टोरेंट लायसेंस की जांच करते हुए उन्होंने तत्काल संपूर्ण दस्तावेजो के साथ नगर निगम कार्यालयीन समय पर आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। होटलो व अन्य के आवश्यक दस्तावेजो को जांचा जाएगा। दस्तावेज पूरे न होने वाले होटलो पर होगी सख्त कार्रवाही।

बीते महीने राजस्व प्रकरणों के निराकरण में उल्लेखनीय वृद्धि, कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की प्रशंसा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में कहा, सभी गौठानों में योजना का क्रियान्वयन बढ़िया हो

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने समीक्षा बैठक में शासन की फ्लैगशिप स्कीम के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा की। कलेक्टर ने सबसे पहले राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की। इस पर अच्छा काम हुआ है। सीमांकन, नामांतरण आदि के अनेक प्रकरण समय सीमा पर निराकृत हो गए, इससे कलेक्टर ने खुशी जाहिर की और विभागीय अधिकारियों को इसी तरह तेजी से कार्य करने कहा।

कलेक्टर ने इसके बाद गोधन न्याय योजना की समीक्षा की। उन्होंने गोबर से वर्मी कंपोस्ट कन्वर्शन आदि के आंकड़ों के बारे में पूछा। कलेक्टर ने कहा कि यह सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजना है इसमें सभी गौठानों में अच्छी स्थिति होनी चाहिए और जनपद सीईओ यह सुनिश्चित करें कि हर गौठान में योजना का क्रियान्वयन बेहतर तरीके से हो और अधिकतम हितग्राहियों को इसका लाभ हो। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन, दुर्ग निगम आयुक्त लक्ष्मण तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि गौठानों में आजीविकामूलक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इनसे अधिकतम लाभ हम तब प्राप्त कर सकते हैं जब साइंटिफिक तरीके से अपना कार्य करें। उदाहरण मछली पालन को लें, मछली पालन में हमें देखना है कि हम कितना बीज डालते हैं और इससे कितनी प्राप्ति होती है। प्राइवेट फार्म्स में जहां मछलीपालन हो रहा है इस प्राप्ति का प्रतिशत क्या है और अमूमन आमतौर पर लक्ष्य के विरुद्ध कितनी प्राप्ति होती है। गौठानों में डबरियों में मत्स्यपालन विभाग के अधिकारी इसका नियमित प्रशिक्षण दें। उन्होंने कहा कि इसी तरह से बाड़ी में भी हमने तकनीकी चयन के आधार पर यहां सब्जी तय की है जिससे हम उत्पादन की संभावना को करीब से आंक पाने में सक्षम हैं। उन्होंने बायोफ्लाक के बारे में भी पूछा। उन्होंने कहा कि गौठान में मुर्गीपालन, मशरूम पालन जैसी गतिविधियों को भी बढ़ाएं। शहरी क्षेत्र में मशरूम की बड़ी डिमांड होती है। इसका वृहत उत्पादन करें तो आय की बड़ी संभावनाएं तैयार होंगी। उन्होंने कहा कि गौठानों में समूहों के माध्यम से दूध उत्पादन को बढ़ावा देना है। इसके लिए चयनित गौठानों में अच्छी नस्ल की दस गायें उपलब्ध कराएं। अधिकारियों ने बताया कि इस पर लगातार काम चल रहा है।

रीपा की स्थिति जानी

कलेक्टर ने ग्रामीण औद्योगिक पार्क के बारे में अब तक हुई प्रगति की बारे में पूछा। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए अधोसंरचना निर्माण का कार्य तेजी से प्रगति पर है। कलेक्टर ने इसके लिए उद्यमियों का चयन करने एवं पिछली बैठकों में दिये गये निर्देशों के पालन की स्थिति की जानकारी भी ली। कलेक्टर ने कहा कि रीपा सबसे अहम योजना है। यहां हम उद्यमियों को शेड देंगे तथा अन्य प्रकार की सुविधाएं देंगे, यहां उत्पादों का चिन्हांकन भी स्थानीय बाजार की जरूरतों के अनुरूप किया गया है और गौठान में उत्पादित वस्तुओं की तुलना में यहां उत्पादित वस्तुएं विशिष्ट हैं। इस पर तेजी से कार्य करें ताकि अधोसंरचना का काम पूरा होते ही पार्क आरंभ किया जा सके। कलेक्टर ने मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से हो रहे इलाज की स्थिति की जानकारी ली। सीएमएचओ ने कहा कि अभी फुटफाल बढ़ गया है।

कलेक्टर ने कहा कि सभी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित रखें, साथ ही यह भी देखें कि यहां आ रहे हितग्राहियों के टेस्ट हो रहे हैं या नहीं। इसके लिए एसडीएम और आयुक्त नियमित रूप से विजिट करते रहें। कलेक्टर ने धान उठाव, बारदानों आदि की स्थिति की समीक्षा भी की। खाद्य अधिकारी ने बताया कि बारदाने पर्याप्त मात्रा में हैं और धान का निरंतर उठाव किया जा रहा है।

जनसमस्या निवारण शिविर को मिल रहा अच्छा प्रतिसाद

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के 5 जोनों में चयनित स्थलों पर जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है जहां निगम क्षेत्र के नागरिक राशन कार्ड, श्रम विभाग पंजीयन मजदूर कार्ड, नया आधार कार्ड एवं सुधार, आयुष्मान कार्ड, नये पट्टा, पेंशन, विद्युत संधारण, भवन नियमितीकरण, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने एवं मूलभूत सुविधाओं से संबंधित कार्यों के लिए आवेदन प्रस्तुत कर रहे है। 29 नवंबर को 5 शिविर स्थलों से कुल 164 आवेदन प्राप्त हुए है, जिसमें से 140 आवेदनों का निराकरण तत्काल किया गया।

जिससे उपस्थित नागरिक उत्साह के साथ निगम को धन्यवाद ज्ञापित किए। भिलाई निगम आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर भिलाई निगम के सभी जोन में जन समस्या निवारण शिविर प्रारंभ हो गया है। जो कि आगामी दिसंबर माह तक आयोजित होगा। शिविर का समय प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक नियत किया गया है।

मतदाताओं को जागरूक बनाएं और अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्ट्रेट दुर्ग में संभागायुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर महादेव कावरे द्वारा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निर्वाचक नामावली पर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता के संबंध में बैठक ली गई। जिसमें मतदाता सूची के साथ-साथ केन्द्र व आने वाले निर्वाचन के प्रक्रियाओं को लेकर बिंदुवार चर्चा की गई।

संभागायुक्त के समक्ष विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत दिनांक 09 नवंबर को प्रारंभिक प्रकाशन किया जाकर दिनांक 08 दिसंबर तक दावा आपत्ति प्राप्त करने का कार्य किये जाने, विधानसभावार मतदान केन्द्रों तथा मतदाताओं की संख्या की जानकारी तथा पुनरीक्षण अहर्ता दिनांक 01 जनवरी 2023 के तहत प्राप्त आवेदनों के संबंध में जानकारी रोल अर्ब्जवर एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा दी गयी। राजनीतिक दलों को पुनरीक्षण तथा निर्वाचन कार्य हेतु मतदान केन्द्रवार बीएलए नियुक्त करने तथा पुनरीक्षण 2023 कार्यक्रम का अधिक से अधिक प्रचार कर मतदाताओं के शत प्रतिशत पंजीयन हेतु अनुरोध किया गया। बैठक में ट्रोल फ्री नंबर 1950 में कोई भी कार्यालयीन समय तक अपने जानकारी, सुझाव एवं शिकायत दर्ज करा सकता है।

संभागायुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर कावरे ने प्रतिनिधियों को खुला मंच मुहैया कराकर उनका पक्ष जाना और निर्वाचन के प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए दिशा निर्देश दिए। बैठक में मतदाता सूची को लेकर गहन चर्चा की गई। जिसमें पात्र उम्मीदवारों को बड़ी संख्या में कैसे जोड़ा जा सके और एक पारदर्शी मतदाता सूची कैसी बनाई जा सके उस पर उपस्थित जनों ने अपने मत प्रस्तुत किए। संभागायुक्त द्वारा इसमें आधारकार्ड से मतदाता सूची को लिंक करने पर विशेष जोर दिया गया ताकि त्रुटियों को नगण्य किया जा सके। कावरे ने बताया कि मतदाता संशोधन या स्थानांतरण के लिए प्ले स्टोर से वोटर हेल्पलाइन ऐप डाउनलोड कर अथवा ठ्ठ1ह्वश्च.द्बठ्ठ पोर्टल में ऑनलाइन आवेदन कर सकते है एवं मतदाता सूची में अपना नाम खोज सकते है। उन्होंन उपस्थित जन प्रतिनिधियों को मतदाता जागरूकता में भागीदार बनने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि वोट गोपनीय होता है किसी के भी द्वारा किए गए मतदान को कोई दूसरा व्यक्ति नहीं जान सकता स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को फोटोयुक्त मतदाता सूची, फार्म 6, 7 उपलब्ध है या नहीं से संबंधित जानकारी मांगी जिस पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया की जिले में आज दिनांक तक की स्थिति में फॉर्म 6,7, एवं 8 के कुल 19571 आवेदन प्राप्त हुए है, जिसकी विधानसभावार जानकारी उपस्थित प्रतिनिधियों को जानकारी उपलब्ध भी कराई।

17 डायरिया मरीजो की जांच जारी, चिकित्सा विभाग संक्रमण को लेकर सजग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भिलाई शहर के वृन्दानगर, जे.पी.नगर, शारदापारा और न्यू संतोषीपारा केम्प क्षेत्र के आसपास डायरिया फैल गया है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए स्वयं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम एवं श्री चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज, जिला दुर्ग के संयुक्त गठित टीम द्वारा क्षेत्र का भ्रमण कर यू.पी.एच.सी. बैकुंठधाम में पदस्थ चिकित्सा अधिकारियों एवं समस्त कर्मचारियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

आज जिला चिकित्सालय दुर्ग से स्टूल सैम्पल संकलित कर भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर जॉच हेतु भेजा गया। संक्रमित क्षेत्र की निगरानी के लिये शहरी कार्यक्रम प्रबंधक, भिलाई, खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी, सेक्टर पर्यवेक्षक, ए.एन.एम. और मितानिनों द्वारा 2406 घरों का सघन सर्वे किया गया। क्षेत्र में उल्टी-दस्त से पीड़ित मरीजों को 495 ओ.आर.एस., 154 जिंक टेबलेट एवं 1500 क्लोरिन टेबलेट वितरित किया गया एवं स्वास्थ्य शिक्षा दी गयी। संक्रमित क्षेत्र में मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की एम्बुलेंस नियमित रूप से भ्रमण करते हुय मरीजों को दवाई एवं उचित स्वास्थ्य शिक्षा देते हुये स्वास्थ्य संस्थाओं तक भेजने के लिए प्रेरित करने का कार्य कर रही है। संक्रमित क्षेत्र में पर्याप्त दवाईयों का भंडारण किया गया एवं गंभीर मरीजों को हायर सेन्टर रिफर करने हेतु एम्बुलेंस की व्यवस्था की गयी। आज जिले में 10 शासकीय एवं 05 निजी स्वास्थ्य संस्थाओं में कुल 15 डायरिया के प्रकरण मिले है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आम जनता से अपील की है कि उल्टी दस्त होने पर बैंकुंठधाम को आपातकालीन सेवा कन्ट्रोल रूम बनाया गया है, जहाँ पर मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा विशेषज्ञ, शिशुरोग विशेषज्ञ एवं अन्य स्टाफ की 24 घंटे ड्यूटी लगाया जाकर सेवायें दे रहें है। कन्ट्रोल रूम का दूरभाष नं. 0788-4230397 से संपर्क कर उचित सलाह एवं परामर्श ले सकते है। पानी उबालकर ठंडा कर पीये, खाने के वस्तुएं ढंककर रखे, बासी भोजन, सड़े-गले मांस मछली, सड़े-गले फल एवं सब्जियाँ उल्टी-दस्त की रोकथाम होने तक नही खायें एवं खाने से पहले एवं शौच के बाद साबुन एवं पानी से हाथ अवश्य धोये।

लिफ्ट मेंटनेंस की समस्या से जूझ रहे हैं रहवासी मामला पहुंचा जनदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। तालपुरी के जूही अर्पाटमेंट के रहवासी वहां के प्रबंधन को लेकर असंतुष्ट हैं। जूही अर्पाटमेंट द्वारा स्थापित की गई सोसायटी के संचालन को लेकर रहवासी असंतोष जाहिर कर रहे हैं। निवासियों द्वारा लिफ्ट मेंटेनेंस के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसमें आवेदक द्वारा बताया गया कि आपाटमेंट में निवासरत प्रत्येक मकान द्वारा 1 हजार रूपए प्रतिमाह बिजली, पानी, सफाई व लिफ्ट मेंटेनेंस के लिए राशि सोसाइटी अध्यक्ष को प्रदान की जाती है। परंतु प्रबंधन संबंधी कार्यों में सोसाइटी के अध्यक्ष द्वारा लापरवाही बरती जा रही है और लिफ्ट जैसे दैनिक आवश्यकता की चीजों को भी नजर अंदाज किया जा रहा है। कलेक्टर ने आवेदन संबंधित अधिकारी की ओर प्रेषित किया।

जिले को रोजगार हब बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा जो कार्य किया जा रहा है उसी का प्रभाव है कि शहर के युवा क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर तालाश रहे हैं। इसी कड़ी में एक आवेदक आज जनदर्शन में उपस्थित हुआ था। जिसके माता-पिता दोनों का ही स्वर्गवास हो गया है। प्रस्तुत आवेदनानुसार उसने कोपा ट्रेड में आई.टी.आई. किया है, इसके साथ ही साथ वह ग्रेजुएट भी है। कलेक्टर ने आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए आवेदन रोजगार कार्यालय में प्रेषित किया और संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि आवेदक को आने वाले प्लेसमेंट कैंप के बारे में सूचित किया जाए ताकि उसका उज्जवल भविष्य निर्मित हो सके।

क्यू आर कोड से हो रही समय की बर्बादी, कर्मचारियों को करना पड़ रहा लंबा इंतजार, हो रही शारीरिक व मानसिक पीड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रेल मिल व एसएमएस 2 मर्चेंट मिल में हुई बैठक के दौरान मिली शिकायत

भिलाई। भिलाई इस्पात मजदूर संघ की एक बैठक संयंत्र के रेल मिल व एसएमएस 2 में आयोजित की गई। इस बैठक में प्रबंधन द्वारा लागू किए गए क्यू आर कोड को लेकर कर्मचारियों में भारी आक्रोश देखा गया। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए यूनियन पदाधिकारियों ने इस मुद्दे पर सीजीएम पर्सनल से मुलाकात कर हल निकालने का आश्वासन दिया।

रेल मिल व एसएमएस 2 मर्चेंट मिल में आयोजित औपचारिकता बैठक में भिलाई इस्पात मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष चन्ना केशवलू एवं महामंत्री रवि शंकर सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। दोनों ही प्रमुख पदाधिकारियों ने कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर बारी बारी से उनकी समस्या को सुना। इस दौरान प्रबंधन द्वारा लागू किए गए क्यू आर कोड प्रणाली को बंद कराने की मांग को कर्मचारियों ने प्रमुखता से उठाया।

कर्मचारियों ने बताया कि क्यू आर कोड लागू किए जाने से कर्मचारियों को ड्यूटी जाते समय गेट पर लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं जांच के दौरान कई तरह की दिक्कत आने से कर्मचारियों को शारीरिक और मानसिक पीड़ा झेलनी पड़ रही है। कर्मचारियों ने यहां तक कहा कि ठेका श्रमिकों को बिना क्यू आर कोड के ही संयंत्र के अंदर आने जाने दिया जा रहा है तो फिर प्रबंधन का अपने खुद के कर्मचारियों के साथ इस तरह का सौतेला व्यवहार क्यों है।

कार्यकारी अध्यक्ष चन्ना केशवलू एवं महामंत्री रवि शंकर सिंह ने कहा कि क्यू आर कोड प्रणाली को बंद कराने शीघ्र ही यूनियन का एक प्रतिनिधिमंडल सीजीएम पर्सनल से मुलाकात कर चर्चा करेगा। क्यूआर कोड केंद्र में पहले भी संयंत्र के उच्च अधिकारियों से चर्चा कर बीएमएस ने विरोध व्यक्त किया है बैठक में आए अन्य समस्याओं पर भी उचित पहल करते हुए हल निकालने का आश्वासन दिया गया। बैठक का संचालन मिल ज़ोन के प्रभारी राजेश चौहान ने किया। औपचारिक बैठक हुई जिसमें बीएमएस के महामंत्री रवि शंकर सिंह कार्यकारी अध्यक्ष चन्नाकेशवलू प्रभारी मिल जोन राजेश चौहान उप महासचिव वशिष्ठ वर्मा एवं धर्मेंद्र धामू एवं सचिव जगजीत सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं से परिचय करवाया और वहां की समस्याओं की जानकारी दी रेल मिल की मूल समस्या रेस्ट रूम एवं शौचालय परिपूर्ण ना होना है नई पेंशन पॉलिसी की समस्या के बारे में जानकारी दिया गया जिस पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने कि संयंत्र कर्मचारियों ने मांग की मैकेनिकल सेक्शन में वर्करों ने काफी परेशानियों से अवगत करायाअपने उद्बोधन में कार्यकारी अध्यक्ष चन्ना केशवलू व रविशंकर सिंह ने कहा कि सभी पदाधिकारी अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में संकलन करें एवं अपने मुख्य महाप्रबंधक से चर्चा करें ना होने पर महामंत्री एवं कार्यकारी अध्यक्ष को अवगत कराएं अपेक्स कमेटी सभी विभागों का दौरा कर रही है उन शिकायतों का संकलन किया जा रहा है बीएमएस पर कर्मचारियों ने जो भरोसा किया है उस भरोसा को हमें कायम रखना है क्यूआर कोड सेल के अन्य किसी भी सेंटर में नहीं लागू है भिलाई इस्पात संयंत्र में जबरन इसे लागू किया जा रहा है पहले भी उच्च अधिकारियों से चर्चा की गई है फिर से उच्च अधिकारियों से चर्चा की जाएगी आज की बैठक में मुख्य रूप से अध्यक्ष आई पी मिश्रा कार्यकारी अध्यक्ष चन्ना केशवलू महामंत्री रवि शंकर सिंह उपाध्यक्ष राजेश चौहान हरिशंकर चतुर्वेदी वशिष्ठ वर्मा धर्मेंद्र धामू जगजीत सिंह प्रदीप पाल उमेश मिश्रा शारदा गुप्ता विनोद उपाध्याय रामजी सिंह अशोक माहोर अवधेश पांडे रमेश पांडे प्रकाश सोनी दीनानाथ दीप नारायण चंद्रवंशी मनोहर देवांगन सुरेंद्र गजभिए महेंद्र पटेल आर के पांडे राजनाथ यादव राजेंद्र ठाकुर अशोक कुमार रामजीत सिंह श्याम जी सिंह जय कुमार मौर्या राजीव रंजन महेंद्र कुमार भूपेन्द्र बंजारे नरेंद्र केला बिसेन जी तिलक यादव प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

राहुल गांधी देश भर में जगा रहे हैं नई उम्मीद, यात्रा को मिलते जनसमर्थन से बौखलाई हुई है भाजपा: वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एवं राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा मध्यप्रदेश में राहुल गांधी के साथ अतिथि यात्री के रूप में शामिल होकर लौटे हैं। जिसके बाद उन्होंने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए केंद्र और भाजपा शासित राज्यों की जनविरोधी नीतियों पर तीखा हमला किया है। वोरा ने कहा कि जनता का ध्यान अब भटकाया नहीं जा सकता लोग महंगाई, बेरोजगारी, सरकारी संपत्तियों को लगातार बेचे जाने की नीतियों से त्रस्त है।

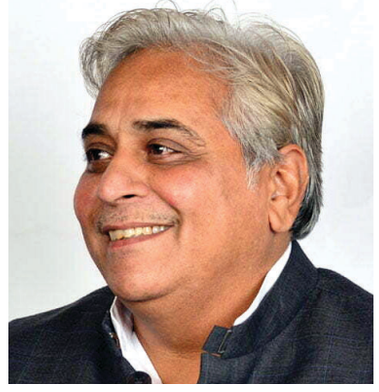

उन्होंने कहा कि विभाजवादी राजनीति के खिलाफ भारत की सबसे पुरानी और बड़ी राजनितिक पार्टी भारतीय राष्ट्रिय कांग्रेस ने पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत को एकजुट करने के लिए भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत की है।

राहुल गांधी के द्वारा 7 सितम्बर 2022 को तमिलनाडु राज्य के कन्याकुमारी शहर से भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत की गई। तकरीबन 12 राज्यों से 3570 किमी लंबी यात्रा देश को विभाजनकारी राजनीति से सावधान करने एवं मूल मुद्दों पर लाने के लिए की जा रही है।भारत जोड़ो यात्रा समाज के हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलने हेतु शुरू की गई है। यात्रा के तहत कांग्रेस चाहती है की देश को विभाजित करने वाले आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों के प्रति अभियान छेड़कर लोगों को इन सभी समस्याओं के प्रति जागरूक किया जाए। यात्रा के शुरू होने के बाद से ही देश के लाखों लोग यात्रा से जुड़ चुके हैं। भारत जोड़ो यात्रा बड़े पैमाने पर बेरोजग़ारी, महंगाई, नफ़रत, विभाजन की राजनीति के विरुद्ध आवाज उठाती है। यात्रा सभी भारतीयों को मिलकर चलने हेतु आमंत्रित करती है और कहती है भारत देश हम सबका है। भारत जोड़ो यात्रा हम सबकी है। देश से प्रेम रखने वाले एवं विविधता में एकता पर विश्वास रखने वाले कई समाजसेवी एवं गैर कांग्रेसी विभूतियां भी लगातार राहुल गांधी की यात्रा में हिस्सा ले रही हैं। जिससे भाजपा में बौखलाहट और घबराहट का माहौल है। देश की जनता राहुल गांधी में नया नेतृत्व देख रही है।

जनता के मूल मुद्दे हमेशा कांग्रेस उठाती रही है। यात्रा पूर्ण होने पर देश में नई ऊर्जा का संचार होना निश्चित है जिन भी राज्यों से यात्रा गुजर रही है स्वस्फूर्त ढंग से लोग भारी संख्या में शामिल हो रहे हैं। राहुल जी का संदेश अब हर राज्य में हर बूथ तक पहुंचाया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को यात्रा में मीन मेख निकालने और अनर्गल बयानबाजी करने की जगह विकास के छत्तीसगढ़ मॉडल को देश भर में अपनाना चाहिए। जिससे गांव गरीब किसान सर्वहारा वर्ग को राहत मिल सके।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950